आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक 306 ● कटनी ● सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-10 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

संधू बनीं मिस यूनिवर्स 21 साल बाद इंडियन ब्यूटी को मिला खिताब

नई दिल्ली। भारत की हरनाज संधू मिस यूनिवसज़ बन गई हैं। 21 साल बाद किसी भारतीय सुंदरी को यह खिताब मिला है। साल 2000 में लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं थीं। तब से भारत इस खिताब का इंतजार कर रहा था।70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट 12 दिसंबर को इजरायल में हुआ। इसमें हरनाज ने 79 देशों की सुंदरियों को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स का ताज पहना। मिस यूनिवर्स की रनर अप मिस पराग्वे नाडिया फेरेरा और सेकेंड रनर अप मिस साउथ अफ्रीका लालेला मस्वाने रहीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला को मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट को जज करने का मौका मिला था। वे भारत की तरफ से ज्यूरी टीम का हिस्सा थीं।चंडीगढ़ की हरनाज संधू ने हाल ही में 'मिस दीवा मिस यूनिवर्स इंडिया 2021' का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद से ही उन्होंने मिस यूनिवर्स 2021 का ताज जीतने के लिए जी-जान से मेहनत शुरू कर दी थी।

यूथ कन्वेंशन से पहले महबूबा मुफ्ती हाउस अरेस्ट

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीएफ चीफ महबूबा मुफ्ती को श्रीनगर के गुपकार रोड स्थित उनके घर में हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। इसके साथ ही श्रीनगर स्थित (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पाटीज़) के कार्यालय को भी पुलिस ने सील कर दिया है और किसी भी पार्टी कार्यकर्ता को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है।12 दिसंबर को पीडीएफ का यूथ कन्वेंशन होने वाला था, कश्मीर पुलिस बताया कि हमें कन्वेंशन पर टारगेटेड एक्सप्लोसिव ब्लॉस्ट का इनपुट मिला था। वहीं, गुपकार रोड पर कई संस्थाओं की हाई सिक्योरिटी बिल्डिंग्स मौजूद है। यूथ कन्वेंशन में 1000 लोगों के इकट्ठा होने की आशंका थी। इससे पहले ही जम्मू कश्मीर प्रशासन ने कोविड-19 प्रतिबंधों का हवाला देते हुए ये सख्ती दिखाई है। नौजवानों को रोकने के लिए नए तरीके अपना रही सरकार महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ये खाली कुसिज़्यां जम्मू- कश्मीर के हालात की तस्वीर पेश कर रही हैं।

काशी में गूंज रहा बम बम भोले, क्रूज पर योगी के साथ पीएम मोदी ने की सैर

यहां आकर अभिभूत हूं

काशी में पीएम नरेंद्र मोदी

वाराणसी। आज वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के नए परिसर का उद्घाटन हो रहा है। इसका लोकापज़ण करने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां पहुंच हैं।

शाम को विशिष्टजनों से मुलाकात करेंगे पीएम

सोमवार की शाम क्रूज से दीपों से सजे घाटों की निराली छटा देखने निकलने से पहले प्रधानमंत्री शहर के कुछ विशिष्टजन से मुलाकात कर सकते हैं। बरेका गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद 14 दिसंबर को बरेका सभागार में मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में शामिल होंगे। यहां अलग-अलग सत्रों में मुख्यमंत्री केंद्र सरकार की योजनाओं के अमल और राज्यों की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण देंगे। करीब चार घंटे की इस बैठक के बाद सभी मुख्यमंत्री दोपहर के भोजन के समय प्रधानमंत्री के साथ होंगे।

यह उनका संसदीय क्षेत्र भी है। मोदी करीब पौने ग्यारह बजे यहां पहुंचे। सवा ग्यारह बजे उन्होंने काल भैरव मंदिर में पूजा की। इसके बाद वे पैदल ही खिड़किया घाट रवाना हो गए।

यहां से मोदी क्रूज में बैठकर बाबा विश्वनाथ के धाम जाएंगे। काशी में मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट विश्वनाथ धाम को 800 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बनाया गया है। इसमें श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। प्राचीन मंदिर के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए 5 लाख 27 हजार वर्ग फीट से ज्यादा क्षेत्र को विकसित किया गया है। गंगा नदी में अलकनंदा क्रूज पर सवार होकर पीएम मोदी ललिता घाट गए। उनके साथ सीएम योगी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने क्रूज से हाथ हिलाकर घाट पर मौजूद गंगा भक्तों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। लोगों में भी उत्सुकता देखी गई और घाटों पर भीड़ बढ़ गई। आज बम बम भोले, हर हर महादेव के नारों की काशी में गूंज है।पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी में करीब 30 घंटे रहेंगे। सोमवार को काशी विश्वनाथ धाम (कॉरिडोर) का लोकार्पण करने के साथ शिव दीपावली देखेंगे तो अगले दिन मंगलवार को भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा व केशव प्रसाद मौर्य मेजबान के रूप में पूरे कार्यक्रम में रहेंगे।

राहुल के भारत को हिंदुओं का देश बताने पर विवाद

ओवैसी बोले- भारत सब भारतीयों का, अकेले हिंदुओं का नहीं

जयपुर। जयपुर की रैली में राहुल गांधी के भारत को हिंदुओं का देश बताने और हिंदू बनाम हिंदुत्व की नई परिभाषा पर विवाद हो गया है। बीजेपी के बाद आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने ट्वीट कर की प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी सहित कई नेताओं के बयानों के बाद रविवार देर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सफाई देने के अंदाज में ट्वीट किया। राहुल और कांग्रेस हिंदुत्व के लिए ग्राउंड तैयार कर रहेओवैसी ने राहुल गांधी के बयान के बाद ट्वीट में लिखा- राहुल और कांग्रेस हिंदुत्व के लिए ग्राउंड तैयार कर रहे हैं। अब वे बहुसंख्यक वाद की फसल काटना चाहते हैं। 2021 में हिंदुओं को सत्ता में लाने का सेक्युलर एजेंडा है, वाह। भारत सब भारतीयों का है। अकेले हिंदुओं का नहीं है। भारत सभी मत-मतांतरों को मानने वालों और नहीं मानने वालों का भी देश

है देर रात गहलोत ने लिखा- हिंदू किसी से नफरत नहीं करतेदेर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिंदू वाले बयान पर सफाई के टोन में ट्वीट किया। गहलोत ने लिखा- सत्य, अहिंसा, प्यार, भाईचारा और सहिष्णुता को मानने वाला व्यक्ति हिंदू है। हिंदू किसी से नफरत नहीं करते और सभी धमोज़ं का सम्मान करते हैं। हिन्दुत्ववादी हिंसा, असहिष्णुता और घृणा फैलाने में भरोसा रखते हैं। हिंदू और हिन्दुत्ववादी में वही अंतर है, जो गांधीजी और गोडसे में था।

बोरिस जॉनसन की चेतावनी - ओमिक्रॉन कोरोना की तूफानी लहर लाएगा

एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को चेतावनी दी कि ओमिक्रॉन की तूफानी लहर आ रही है। इसके साथ उन्होंने दिसंबर के अंत तक 18 साल के ऊपर के लोगों को बूस्टर डोज दिए जाने का टागेज्ट भी रखा है। एक टेलीविजन एड्रेस में उन्होंने कहा कि किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए- ओमिक्रॉन की तूफानी लहर आ रही है। देश के स्वास्थ्य सलाहकारों ने कोरोना अलटज़ लेवल को 3 से 4 कर दिया है। जॉनसन ने कहा कि इस वैरिएंट का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और यह आपदा में तब्दील होता जा रहा है।

अल सुबह सड़कों पर ऊनी कपड़ों में नजर आ रहे लोग

अलाव तापकर दूर भगा रहे सर्दी मिनिमम टैंप्रेचर सात डिग्री सेल्सियस के आसपास

श्रीनगर। भारत पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्रीगंगानगर जिले में इन दिनों तेज सर्दी पड़ रही है। सर्दी के चलते अल सुबह सड़कों पर निकलने वाले खूब परेशानी का सामना कर रहे हैं। लोग सड़क किनारे अलाव तापकर सदीज़ भगा रहे हैं। शहर से बाहर निकलने रास्तों पर अल सुबह हलके कोहरे जैसे हालात होने लगे हैं। ज्यादा परेशानी सड़कों पर निकलने वाले दूध और सब्जी विक्रेताओं को होने लगी है। ये लोग सुबह ऊनी कपड़े पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं। सोमवार सुबह शहर के श्री जगदंबा अंध एवं मूकबधिर विद्यालय के सामने लोग अलाव तापते नजर आए। कुछ ऐसी ही

स्थिति शहर के श्रीकरणपुर रोड और सूरतगढ़ रोड पर भी नजर आए। यहां भी लोग चाय थड़ियों पर अलाव के साथ चाय की चुस्कियां लेते दिखे। तापमान सात डिग्री सेल्सियस के आसपास शहर में इन दिनों तापमान सात से दस डिग्री सेल्सियस के बीच रहने लगा है। पिछले चार दिन की बात करें तो नौ दिसम्बर को मिनिमम टेंप्रेचर 9.0 डिग्री सेल्सियस, दस दिसम्बर को 9.2 डिग्री सेल्सियस, 11 दिसम्बर को 8.2 डिग्री सेल्सियस तथा बारह दिसम्बर को 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा कोरोना पॉजिटिव हुए

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा रविवार को कोरोना पॉजिटिव टेस्ट किए गए। राष्ट्रपति कायाज़्लय ने जानकारी दी कि वे हल्के लक्ष्णों के लिए इलाज करा रहे हैं। रामाफोसा वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं। ठीक होने तक वे सेल्फ आइसोलेशन में रहेंगे। तब तक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी उप राष्ट्रपति डेविड मबूजा निभाएंगे। केप टाउन में एक कार्यक्रम से लौटने के बाद रामाफोसा की तबीयत खराब होनी शुरू हुई, जिसके बाद उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। पिछले महीने ओमिक्रॉन वैरिएंट सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में ही डिटेक्ट किया गया था। इस वैरिएंट के ज्यादा संक्रामक होने की खबरों के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच

राजकीय कालेज के सामने देररात हुई घटना

दो भाई और सीआरएफ जवान की रोड एक्सीडेंट में मौत

अजमेर। रात को गांव लौट रहे जवान ने रास्ते में मिले पड़ोसी भाइयों दी थी लिफ्टसड़क हादसे में सीआरएफ जवान सहित 3 युवकों की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान टेलर ने टक्कर मार दी। हादसा अजमेर के नसीराबाद-ब्यावर मार्ग स्थित राजकीय कॉलेज के सामने रविवार देर रात हुआ। सीआरएफ जवान कुलदीप शादी समारोह में भाग लेने के लिए छुट्टी आया था। कुलदीप के साथ बाइक पर योगेंद्र और मुकेंद्र रावत बैठे थे।

दोनों सगे भाई थे। वे बाइक सवार जवान को रास्ते में मिले थे। दोनों कुलदीप के गांव के ही थे, इसलिए उसने दोनों को गांव तक छोड़ने के लिए अपनी बाइक पर लिफ्ट दी थी ग्राम भवानीखेड़ा निवासी कुलदीप रावत (40), योगेंद्र रावत (22) और मुकेंद्र रावत (19) बाइक पर सवार होकर नसीराबाद से अपने गांव भवानीखेड़ा जा रहे थे। कॉलेज के सामने पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार

जम्मू-कश्मीर में हवलदार ने गोली मारकर आत्महत्या की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में कैंप में हवलदार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हवलदार रैंक के सिपाही की पहचान शिंदे संदीप अजुज़न के रूप में हुई, जो द्रंग्यारी चौकीबल में तैनात थे। आज तड़के 4:30 बजे उन्होंने अपनी सविज़स राइफ्ल से खुद को गोली मार ली। उन्हें श्रीनगर के सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी जान बचाई नहीं जा सकी। एक दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के बनिहाल आर्मी कैंप में मेजर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। मेजर परविंदर सिंह दिल्ली के प्रियदर्शिनी विहार के रहने वाले थे। उन्होंने अपनी सर्विस राइफल एके 47 से खुद को गोली मारी। जानकारी के अनुसार, सेना में मेजर परमिन्द्र सिंह पुत्र रछपाल सिंह निवासी प्रियदशज़्नीबिहार, नई दिल्ली इन दिनों रामबन के माहु बल क्षेत्र में तैनात थे।

असम में हाथियों को खदेड़ने के लिए की गई फायरिंग में 2 साल की बच्ची की मौत

असम। असम के कामरूप जिले में हाथियों के झुंड को भगाने के लिए वन विभाग की ओर से की गई फायरिंग में एक बच्ची की मौत हो गई और उसकी मां घायल है। इस मामले में 2 फॉरेस्ट गाड्सज़ को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाथियों के झुंड को जंगल में खदेड़ने के लिए वन कमिज़्यों ने हवा में गोलियां चलाईं, लेकिन दो साल की अबीज़ दैमारी और उसकी मां मालोबिका दैमारी को गलती से दो गोलियां लग गईं। बच्ची ने दम तोड़ दिया और महिला का गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

डकैती की योजना कोई इनती जोर-शोर से नहीं बनाता कि 25 फीट दूर तक सुनाई दे

इंदौर। डकैती की योजना कोई इतनी जोर-शोर से नहीं बनाता कि 25 फीट दूर बैठा व्यक्ति उसे आसानी से सुन ले। किसी व्यक्ति के पास लाठी और डंडा मिलना यह साबित नहीं करता कि वह डकैती की तैयारी कर रहा था। गांवों में सामान्यतः किसान इन्हें अपने पास रखते ही हैं। सत्र न्यायालय ने जिन्हें दोषी बताते हुए सजा सुनाई थी वे निदोज़ष है। उनके खिलाफ ऐसा कोई सबूत पुलिस प्रस्तुत नहीं कर सकी जिसे आधार बनाकर उनकी सजा बरकरार रखी जा सके।हाई कोर्ट की एकल पीठ ने 24 साल पुराने एक मामले में शाजापुर सत्र न्यायालय के फैसले को पलटते हुए यह टिप्पणी की है। सत्र न्यायालय ने 1998 में पांच लोगों को डकैती की योजना बनाने के आरोप में सात-सात साल कारावास की सजा सुनाई थी। पांचों आरोपितों ने सत्र न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोटज़ में अपील प्रस्तुत की थी। अपील लंबित रहने के दौरान ही एक आरोपित की मृत्यु हो गई। बाकी चार हाई कोटज़ के आदेश के बाद जमानत पर थे।गौरतलब है कि पुलिस कोतवाली शाजापुर ने 24 सितंबर 1997 की रात करीब 8 बजे पांच लोग कुंवरपालसिंह, लखन, मोकाम, कृष्ण, विजान को डकैती की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 1998 में शाजापुर सत्र न्यायालय ने सभी को दोषी पाते हुए सात साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। सत्र न्यायालय ने आरोपितों पर अर्थदंड भी लगाया था।

दसवीं व बारहवीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर माशिम हुआ सर्तक

भोपाल । कोरोना की तीसरी लहर और ओमिक्रोन के खतरे को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं व बारहवीं बोर्ड परीक्षा संबंधी तैयारियों पर कलेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक आज रखी गई है। परीक्षाओं की तैयारियों को लेकरर हर व्यवस्था और मैदानी हकीकत की जानकारी शासन की संज्ञान में लाई जा रही है। जिस तीसरी लहर की आशंका करे लेकर माशिम इस बार पहले ही बोर्ड परीक्षा का प्लान तैयार किया था। इसका कारण यह है कि कोरोना के कारण पिछले दो सालों से परीक्षाएं समय से नहीं ली गई है। मप्र बोर्ड की दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं मंडल ने तय समय के अलग हटकर फरवरी के दूसरे सप्ताह से ही परीक्षाएं करवाने का निर्णय लिया है।

प्लेन चुराने के लिए 'बम' के साथ एयरपोर्ट में घुसा शख्स कहा-

एलियंस को देखने जाना था, सवारी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिका का मशहूर मिलिट्री एयर बेस 'एरिया 51' एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार यहां किसी एलियन के देखे जाने का दावा नहीं किया गया है बल्कि कुछ इससे भी ज्यादा हैरान करने वाला घटित हुआ है।

घटना 8 दिसंबर की है जब 36 साल के मैथ्यू हैनकॉक सुरक्षा घेरों को तोड़ते हुए अपनी कार से लास वेगास के मैककरन इंटरनेशनल एयरपोर्ट में घुसे। एयरपोर्ट के बाहरी और भीतरी सिक्योरिटी बेरियर्स को तोड़ने के बाद उन्होंने अपनी कार एक विमान के पास रोक दी।खबरों की मानें तो हैनकॉक की मंशा

दरअसल एक प्लेन को चुराने की थी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक हैनकॉक ने अटलांटिक एविएशन के कमज़्चारियों को धमकाया। कमज़्चारियों ने जानकारी दी है कि हैनकॉक ने उनसे कहा, 'मेरे पास एक बम है और मैं इस जगह को उड़ा दूंगा।' इसके बाद वह वापस अपनी कार में बैठे और आगे बढ़ गए। इस दौरान हैनकॉक एक नकाब पहने हुए थे।

एलियंस को देखने के लिए लिया रिस्क

पुलिस ने कहा कि हैनकॉक ने अधिकारियों को बताया है कि वह 'एलियंस को देखने के लिए' एरिया 51 के लिए उड़ान भरना चाहते थे। एयरपोटज़ के सावज्जनिक सूचना अधिकारी जो राजचेल ने सीएनएन को बताया कि घटना के कुछ घंटों बाद एयरपोटज़ के सुरक्षा घेरों की मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि हम उन मेहनती कायज़्कताओज़ को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने तत्काल कदम उठाते हुए इस स्थिति को संभाला और एयरपोटज़ पर जमीन और हवा दोनों जगह हमारी सुरक्षा की।

कार में मिला 'नकली बम'

आनन-फानन में पुलिस हरकत में आई और तत्काल हैनकॉक की गाड़ी को रोककर उन्हें हिरासत में ले लिया गया, जो कई विमानों में टकराने से बाल-बाल बचे थे। हिरासत में लिए जाने के बाद हैनकॉक ने बताया कि वह एक प्लेन चोरी करना चाहते थे और एलियंस को देखने के लिए 'एरिया 51' जाना चाहते थे। पुलिस ने जब उनकी कार की तलाशी ली तो उन्हें एक 'नकली बम' बरामद हुआ जो आग बुझाने वाले यंत्र के ऊपर तारों को लपेटकर बनाया गया था।

बाथरूम में मिला करोड़ों का 'खजाना', एक रात में ही करोड़पति बना ये शख्स

एजेंसी। कुछ लोगों की किस्मत इतनी अच्छी होती है कि कई बार बिना किसी मेहनत के छप्पर फाड़ के धन मिल जाता है। हाल ही में एक ऐसी ही कुछ अजीब घटना घटी अमेरिका के टेक्सास में एक शख्स साथ, जिसे बाथरूम में ही 4 करोड़ रुपए का खजाना मिल गया। दरअसल, जिस शख्स को शौचालय में मोटी रकम मिली है, वह प्लंबर है जो बाथरूम की दीवार की मरम्मत का काम कर रहा था।

जयपुर में फिर मिले 4 ओमिक्रॉन पॉजिटिव

विदेश से लौटे थे राजस्थान में मिले 12 कोरोना केस

जयपुर । जयपुर में एक बार फिर चार कोरोनो पॉजिटिव मरीजों में ओमिक्रॉन वैरिएंट मिला है। पिछले दिनों विदेश से लौटे कोरोना के चार संदिग्ध मरीजों की जिनोम सिक्वेंसिंग जांच करवाई गई थी, उनमें ओमिक्रॉन वैरिएंट मिला है। चारों का पहले से उपचार चल रहा है। इससे पहले जयपुर में 9 ओमिक्रॉन पॉजिटिव मिल चुके हैं, जो अब निगेटिव हो चुके हैं। राजस्थान में कोरोना पॉजिटिव केसों की रफ्तार पिछले चार दिनों से

धीमी पड़ गई है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 12 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए, जबकि 23 लोगों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने पर डिस्चार्ज किया गया। चिकित्सा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के हिसाब से 12 दिसंबर तक राजस्थान में एक्टिव केसों की संख्या 262 पहुंच गई है।रविवार को चार जिलों में पॉजिटिव केस मिले है। इनमें जयपुर में 6, अलवर में 2, राजसमंद में 1, उदयपुर में 3 केस मिले।

जेएनकेविवि का सराहनीय कार्य

शिमला-कश्मीर के साथ अब सेब-कपास की खेती जबलपुर में होगी

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विवि का प्रयास

जबलपुर, यशभारत। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास में प्रदेश की सबसे बड़ी जवाहर लाल नेहरू कृषि यूनिवर्सिटी जुटी है। इसके लिए कृषि विवि जबलपुर में सेब और कपास की खेती की नई संभावनाएं तलाशने में जुटा है। कपास का जहां बेहतर उत्पादन हुआ है। वहीं सेब का दो साल का पौधा पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। अब उसमें फ्ल आने का इंतजार किया जा रहा है। सेब और कपास की क्या है एमपी में संभावनाएं और किस तरह किसान की आय बढ़ा सकती है।

सेब का नाम आते ही शिमला और कश्मीर का नाम जेहन में आता है, लेकिन अब जबलपुर भी सेब की खेती में पहचान बना सकता है। यहां पूरी परिस्थितियां हैं। अमरकंटक में सेब व नाशपाती की कई वर्षों पहले खेती होती रही है। कृषि विवि में दो साल पूर्व सेब के पौधे लगाए गए हैं, जो अच्छी बढ़वार लिए हैं। यदि यहां की परिस्थितियों में पौधे सर्वाइव नहीं करते तो अब तक सूख चुके होते।

जबलपुर का मौसम है अनुकूल

जेएनकेविवि कुलपति डॉ. पीके बिसेन ने बताया कि सेब के लिए जबलपुर का मौसम काफी अनुकूल माना जा रहा है। यहां साल भर धूप होती है। मिट्टी का पीएच 5 से 7 के बीच होनी चाहिए। यहां की मिट्टी भुरभुरी वाली है। इसके पौधे में पानी नहीं लगना चाहिए। वहीं इसके पौधे के लिए ठंड जरूरी है, लेकिन पाला नहीं पड़ना चाहिए। यहां ठंड में 7 से 20 डिग्री तक तापमान रहता है। सेब के पौधे तीन से चार साल में फ्लने लगते हैं। सितंबर-अक्टूबर के मध्य इसमें फूल आते हैं। 130 से 135 दिनों में ये तैयार हो जाते हैं। कपास की बेहतर खेती हो सकती है महाकौशल अंचल में कपास की फ्सल मुख्यत मालवा, महाराष्ट्र और गुजरात आदि राज्यों में होता है। पर जबलपुर सहित महाकौशल में भी कपास की अच्छी खेती हो सकती है। जबलपुर कृषि विवि ने कपास की अच्छी खेती कर इसकी संभावनाओं का द्वार किसानों के लिए खोल दिया है। कपास छह महीने की फ्सल है और इसे काटकर किसान गेहूं की उपज ले सकते हैं। जून-जुलाई में किसान भाई इसे लगा सकते हैं। नवंबर से 15 दिसंबर तक 80 प्रतिशत कपास का उत्पादन ले सकते हैं। एक हेक्टेयर में 6 से 8 किलो बीज लगता है।

पंचायत चुनाव

बिजली बिल का बकाया देने वाले ही लड़ सकेंगे पंचायत का चुनाव

विद्युत वितरण कंपनी को पूरा बकाया भुगतान करने के बाद अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा

जबलपुर, यशभारत। पंचायत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को चुनाव के लिए नामांकन भरने से पहले विद्युत विभाग का बकाया बिजली बिल पूरा भुगतान करना होगा। दरअसल इस बार त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए सरपंच, जनपद पंचायत और जिला पंचायत सदस्य के उम्मीदवारों को अपने नाम निर्देशन-पत्र के साथ मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी को पूरा बकाया भुगतान करने के बाद अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

ऐसा न करने वाले उम्मीदवारों क नाम निदेज़्शन-पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। अनापत्ति प्रमाण-पत्र नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा के लिए तय की गई तिथि एवं समय तक रिटर्निंग ऑफ्सिर को देना होगा।

उम्मीदवारों को यह प्रमाण-पत्र लेने में किसी तरह की परेशान न हो, इसलिए हर विद्युत वितरण केंद्र पर सुविधा काउंटर स्थापित किए जाएंगे। यदि किसी अभ्यथीज़ के नाम से विद्युत कनेक्शन नहीं है, तो उन्हें इन केंद्र से आवेदक का कोई विद्युत कनेक्शन नहीं होने संबंधित प्रमाण देना होगा। विदित हो कि पहले भी इस तरह के आदेश जारी किए जा चुके हैं। इसका सीधी फायदा बिजली विभाग को मिलता है।

रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

त्रिस्तरीय पंचायतों के निवाज़्चन के लिए जिला निवाज़्चन अधिकारी एवं कलेक्टर कमज़्वीर शमाज़् ने रिटर्निंज़्ग एवं सहायक रिटर्निंज़्ग अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किये हैं। जिला पंचायत के निवाज़्चन के लिए रिटर्निंज़्ग अधिकारी खुद कलेक्टर होंगे। जबकि अपर कलेक्टर राजेश बाथम, अनुविभागीय अधिकारी गोरखपुर दिव्या अवस्थी, अनुविभागीय अधिकारी रांझी ऋषभ जैन एवं डिप्टी कलेक्टर मेघा पवार को जिला पंचायत के चुनाव के लिए अधिकारी सहायक रिटर्निंज़्ग अधिकारी नियुक्त किया गया है। पंच एवं सरपंच पद का निवाज़्चन कराने के लिए पंचायतों के कलस्टर बनाए गए हैं।

सौभाग्य योजना में भुगतान के लिए

45 अनशन कर रहे ठेकेदारों पर करोड़ की रिकवरी

जबलपुर,यशभारत। प्रधानमंत्री हर घर सहज बिजली योजना में काम करने वाले ठेकेदारों से पूर्व क्षेत्र कंपनी वसूली करना चाह रही है। कंपनी ने करीब 45 करोड़ रुपये की लेनदारी ठेकेदारों पर निकाली है। सात जिले जहां सौभाग्य योजना में गड़बड़ी की जांच हो रही है वहां रिकवरी निकाली गई है। डिंडौरी से शुरुआत हो गई है। यहां 27 ठेकेदारों पर 11.72 करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा अन्य छह जिलों में ठेकेदारों को नोटिस दिया जाना है। इधर पिछले 20 दिन से शक्तिभवन मुख्यालय में ठेकेदार सौभाग्य योजना के भुगतान को लेकर अनशन कर रहे हैं।

सौभाग्य योजना गड़बड़ी की जांच जारी

क्या है मामला

2017 में सौभाग्य योजना प्रदेश में चली। पूर्व क्षेत्र कंपनी के 21 जिलों में इस योजना के तहत करीब 900 करोड़ रुपये का काम हुआ। दिसंबर 2018 तक इस योजना में सभी छूटे हुए गांव,मजरे टोलों को विद्युतीकृत करना था। जिन घरों में बिजली कनेक्शन नहीं है उन्हें कनेक्शन पहुंचाना था। तेजी से कायज़् के लिए कंपनी प्रबंधन ने अधीक्षण यंत्री को सीधे कायज़्करने की छूट दी। जिसका फायदा कई जगह गलत तरीके से उठाया गया। सौभाग्य योजना में गड़बड़ी की शिकायत के बाद जांच हुई। कंपनी स्तर पर जांच में भ्रष्टाचार सामने आया। अभी तक इस योजना में छह इंजीनियर को बखाज़्ख्त किया जा चुका है। डिंडौरी छोड़कर कई जिलों में कंपनी की जांच अभी जारी है।

ठेकेदार बैठे धरने पर

सौभाग्य योजना में जांच होने के कारण पिछले तीन साल से ठेकेदारों का भुगतान अटका हुआ था। ऐसे में परेशान होकर मध्य भारत ठेकेदार संघ ने अनशन शुरू कर दिया। पिछले 20 दिन से अनशन जारी है। इस बीच अफ्सरों योजना में कुछ पैसा जारी किया है लेकिन विवादित जिले जहां गड़बड़ी की जांच हो रही है उन सात जिलों का भुगतान रोक रखा है। मध्य भारत ठेकेदार संघ के अध्यक्ष जनादज़्न प्रताप सिंह दुबे का दावा है कि करीब 175 करोड़ रुपये का भुगतान होना है जिसमें 45 करोड़ ठेकेदारों की वसूली बताई जा रही है। करीब 88 ठेकेदारों पर बकाया वसूली का नोटिस जारी होना है।

रेल पटरी के गति एवं लोडिंग क्षमता में नए आयाम कायम करने के लिए भारतीय रेल ने अपने ट्रैक को सुदृढ़ बनाया है

जबलपुर, यशभारत ।रेलवे आत्मनिर्भर बनने की ओर उठा रहा सराहनीय कदम। आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ाते हुए पश्चिम मध्य रेल भी नई तकनीक की मशीनों का उपयोग कर रहा है। रेल पटरी के गति एवं लोडिंग क्षमता में नए आयाम कायम करने के लिए भारतीय रेल ने अपने ट्रैक को सुदृढ़ बनाया है तथा उसके अनुरक्षण के लिए भी ट्रैकमैन के मेहनत के साथ, उच्च तकनीक के मशीनों का भी इस्तेमाल करके एक आधुनिक ट्रैक को उपलब्ध करा रहा है।

FRM मशीन से 329 किलोमीटर का ट्रैक मेंटेनेंस किया

नई जरूरतों को देखते हुए रेलवे द्वारा अत्यधिक आधुनिक मशीन का प्रयोग किया जा रहा है। इन अत्य आधुनिक मशीन के द्वारा रेल ट्रैक के रखरखाव से संबंधित अनेकों प्रकार के कायज़् सुगमता से सरलता से किये जाते हैं। मशीन के द्वारा कायज़् में लागत अत्यधिक कम आती है, और साथ-साथ में रेल ट्रैक की भारी संरचना के कायज़् को भी सरल एवं सुरक्षित तरीके से कर देती है जिससे ट्रैक कमिज़्यों की सुरक्षा भी बनी रहती है। रेल ट्रैक पर अधिक यातायात ट्रेनों की आवर्ती एवं दिनोदिन बढ़ती गति को ध्यान में रखते हुए आज मशीन का महत्व अत्यधिक आवश्यक हो गया। विशेषकर ट्रैक पर तेज गति की यात्री गाड़िया एवं भारी माल वाहक माल गाड़िया का परिचालन 24 घण्टे होता रहता है। ऐसे व्यस्त समय में मशीन कम समय के ब्लॉक में ही मैनुअल कायज़् के तुलना में अधिक कार्य एवं विश्वसनीय तथा उच्च गुणवत्तायुक्त और सुरक्षित किया जाता है।एफ्आरएम-85 एफमशीन का प्रयोग शोल्डर बलास्ट की छनाई के लिए किया जाता है ताकि रेल पथ से पानी की निकासी को प्रभावी बनाया जा सके। एफ्आरएम मशीन में दो कटिंग चैन होती है यह चैन टफ्नर में चलती है । जिसकी चौड़ाई आवश्यकतानुसार 3320 एमएम से 4150 एमएम तक बढ़ाया जा सकता है। चैन में 43 स्क्रैपर प्लेट होती है। रेल पथ के दोनों ओर की गिट्टी को छनाई के लिए स्क्रीनिंग यूनिट में चैन के माध्यम से ले जाया जाता है। इसमें मिट्टी को छान कर अलग कर दिया जाता है और साफ गिट्टी को पुन: डिस्ट्रीब्यूटर कन्वेयर बेल्ट के द्वारा रेल पथ के दोनों और बिछा दिया जाता है। इस मशीन की प्रोग्रेस 400 मीटर प्रति घंटा है। पमरे में एफ्आरएम मशीन से इस वर्ष नवंबर माह तक कुल 329 किमी का अनुरक्षण किया गया है।

गुरु तेग बहादुर के साहस से भारतवासियों में स्वाभिमान जागा

जबलपुर, । भारतीय धर्म संस्कृति तिलक जनेऊ और हिंदू धर्म की रक्षार्थ शहादत देने वाले हिंद की चादर नवम गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस गुरुद्वारा प्रेम नगर में सिख सेवक जत्था के नेतृत्व में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस मौके पर गुरुवाणी विचारक एवं इतिहासविद ज्ञानी किशन सिंह अमृतसर पंजाब ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर की ऐतिहासिक शहादत ने भारतीय इतिहास को नया मोड़ दिया खालसा पंथ की स्थापना हुई फौजों का गठन हुआ जिसने अपने अदम्य साहस वीरता और बेशुमार कुबाज़नियों से अत्याचारी मुगल शासकों और बाद में अंग्रेजी हुकूमत की ईट से ईट बजा दी और भयभीत भारतवासियों में स्वाभिमान जगाकर स्वतंत्रता की अलख पैदा की

पुस्तक का विमोचन

इस मौके पर पूवज़् मंत्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू ने गजेंद्र सिंह बांगा लिखित पुस्तक गुरु तेग बहादुर का जीवन एवं दशज़्न का विमोचन किया। प्रसिद्ध हजूरी रागी जत्था श्री दरबार साहिब अमृतसर के भाई गुरविंदर सिंह आनंदपुरी सिख नारी मंच रागी भाई बलजीत सिंह, रागी जत्था

भाई मनिंदर पाल सिंह अमृतसर एवं रागी जत्था भाई दलजीत सिंह आदि ने मनोहर गुरुवाणी शबद कीतज़्न द्वारा गुरुजी का यश अचज़्न किया। इस मौके पर विभिन्न सेवादारों को सिरोपा प्रदान कर सम्मानित किया गया। गुरु का अटूट लंगर श्रद्धालुओं ने एक साथ पंगत में बैठकर ग्रहण किया। मुख्य ग्रंथि द्वारा विश्व शांति और सवज़्त्र के भले की विशेष अरदास प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम का संचालन मनमोहन सिंह सलूजा एवं आभार प्रदर्शन गजेंद्र सिंह बांगा ने किया। गुरुद्वारा माइयां भंवरताल एवं गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार गोरखपुर में भी विविध आयोजन संपन्न हुए। आयोजन की सफ्लता में गजेंद्र सिंह बंगा, मनमोहन सिंह, रविंद्र सिंह दुआ, बॉबी बांगा, महेंद्र सिंह खनूजा, अमरजीत सिंह सलूजा, मनप्रीत सिंह आहूजा, जसपाल सिंह बांगा, सतनाम सिंह राणा, जगजीत सिंह आहूजा एवं रविंदर सिंह चाना आदि सेवादारों का विशेष योगदान रहा।

नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस का 79 में से 60 सीटों पर जीतने का दावा

जबलपुर, यश भारत। षहर जिला कांग्रेस कमेटी के नये अध्यक्ष जगत बहादुर अन्नू की नियुक्ति के बाद नामदेव भवन में कांग्रेस द्वारा स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। कायज़्क्रम में स्वातंत्रता सेनानी की धमज़्पत्नी मीराबाई नामदेव के द्वारा अभिनंदन पत्र भेटकर नवनियुक्त अध्यक्ष को आशीर्वाद दिया। कायज़्क्रम का संचालन शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं स्वातंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र मनोज नामदेव के द्वारा किया गया। समारोह में पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश यादव को सम्मानित कर उनके कायोज़् के लिए स्मरण पत्र प्रदान किया गया ।

अन्त में जगतबहादुर अन्नू ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि आगामी नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस के द्वारा 79 में से 60 सीटों का जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का भारत मुक्त भाजपा का सपना कभी पूरा नहीं होगा बल्कि आगामी चुनाव में मोदी मुक्त भारत जरूर हो जाएगा। आयोजन में पूर्व कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, केशव चैरसिया रमेष यादव, जयनारायण अग्रवाल, युवराज तिवारी, कमलेश यादव, अरूण उसरेटे गुड्डू मामू, सुरेन्द्र पटेल, रितेश तिवारी, रोहाणी यादव, प्रदीप पटेल, प्रतिनिधि देवकी पटेल, मौनी अग्रवाल, श्याम सोलंकी, सत्येद्र सिंह ठाकुर, प्रदेश महिला कांग्रेस कमला चौहान, मालती राजपूत, दीपमाला सालावट, रमेश बेन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति के साथ अन्नू जी का स्वागत किया।

मार्च में आयोजित होगी सामान्य परीक्षा

कोविड के बढ़ते संक्रमण के कारण इस बार भी पांचवीं व आठवीं बोर्ड परीक्षा नहीं होगी

जबलपुर, यशभारत। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस साल पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। बल्कि पिछले साल की तरह वार्षिक परीक्षा के आधार पर ही मूल्यांकन होगा। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से पहली से आठवीं तक की वार्षिक परीक्षा मार्च में आयोजित की जाएगी। अभी परीक्षा की समयसारिणी जारी नहीं की गई है। विद्यार्थियों का प्रतिभा मूल्यांकन जनवरी में एवं वार्षिक मूल्यांकन मार्च में किया जाएगा। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 2019 में पांचवीं व आठवीं में बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा आयोजित कराने का निर्णय लिया था। कुछ विषयों की परीक्षा हुई, लेकिन लाकडाउन के कारण शेष विषयों की परीक्षाएं निरस्त कर उन विषयों में बच्चों को जनरल प्रमोशन दे दिया गया था। इसके बाद पिछले साल बच्चों के घर-घर वकज़्शीट भेजकर वाषिज़्क मूल्यांकन किया गया। बता दें कि 2009 में बोडज़् परीक्षा को खत्म किया गया था और इन कक्षाओं में फेल होने वाले बच्चों को औसत अंक देकर पास कर दिया जाता था।

दो साल पहले बोर्ड पैटर्न पर लागू किया

दो साल पहले फ्र से बोर्ड पैटर्न लागू किया गया, लेकिन पूरा नहीं हो पाया। वहीं, मप्र बोडज़् के निजी स्कूलों में तो पिछले साल भी बोर्ड पैटर्न लागू नहीं हो पाया था। अब इस बार भी नहीं होगा। प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों में पांचवीं व आठवीं कक्षा में करीब आठ लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। - 60 अंक के लिखित व 40 अंक के प्रोजेक्ट कायज़् पर होगा मूल्यांकन राज्य शिक्षा केंद्र ने पहली से आठवीं कक्षा तक के पूरे पाठ्यक्रम को 60 व 40 के अनुपात में पुनर्नियोजित कर दिया है। इसमें पहली से आठवीं कक्षा के सभी विषयों में 60 अंक की थ्योरी और 40 अंक के प्रोजेक्ट कायज़् होंगे। इस बार भी कक्षा पहली एवं दूसरी के बच्चों को स्कूलों से ही अभ्यास पुस्तिका दी जाएगी, जिसके अंत में वर्कशीट होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के प्रश्न होंगे। कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों को दी जाने वाली वकज़्शीट में कौशल आधारित प्रश्न और प्रोजेक्ट वर्क होंगे।

वर्कशीट में ही प्रश्नों के उत्तर और प्रोजेक्ट वर्क

लिखने के लिए स्थान रहेगा। वकज़् शीट में 60 प्रतिशत लिखित एवं 40 प्रतिशत अंक प्रोजेक्ट कार्य के आधार पर दिए जाएंगे। प्रोजेक्ट वकज़् में छात्रों से कोई माडल नहीं बनवाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट वकज़् घर में उपलब्ध रोजमर्रा की सामग्री के आधार पर या घर के सदस्यों से पूछकर पूरे किए जा सकेंगे। यानी बच्चों को प्रोजेक्ट बनाने में दादा-दादी, माता-पिता और भाई-बहन मदद कर सकेंगे।

शहर की सड़कों पर निकले व्ही एफ जे के आयुध वाहन

जबलपुर यशभारत।भारत सरकार द्वारा मनाया जा रहा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रक्षा मंत्रालय के निर्देश पर सभी आयुध निगमों की निर्माणियों द्वारा अपने उत्पादों से आमजनों को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।इस सिलसिले मे व्हीकल फैक्ट्री द्वारा वृहद आयोजन किये जा रहे हैं।जिसके तहत सुबह 9 बजे गेट नंबर6से कार्यवाहक महाप्रबंधक प्रेमचंद ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों के काफिले को शहर भ्रमण के लिए रवाना किया।वाहन रैली में परंपरागत स्टेलियन एल पी टी ए के साथ बुलेट प्रूफ माइन प्रोटेक्टिव व्हीकल वाटर वाउजर आदि वाहन शामिल थे।जो शक्ति द्वार सतपुला घमापुर हाईकोर्ट घंटाघर करमचंद चौक मालवीय चौक शास्त्री ब्रिज गोरखपुर सदर सिविल लाइन जीसीएफ होते हुए वापिस निर्माणी पहुंची।सहायक जन संपर्क अधिकारी शैलेन्द्र सिंह के अनुसार शाम6बजे कम्युनिटी हाल में प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक अशोक रोहाणी करेंगे।प्रदर्शनी में जी आई एफ के उत्पाद भी शामिल हैं।आम नागरिक प्रतिदिन सांय4से8बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।ए जी एम डी एन वर्मा एके राय विकास पुरवार और रामेश्वर मीणा आदि ने जन सामान्य से प्रदर्शनी अवलोकन की अपील की है। जीसीएफ मे उत्पादों की प्रदर्शनी सीनियर स्टाफ क्लब में लगाई गई है।जन संपर्क अधिकारी संजय श्रीवास्तव के अनुसार दोपहर2-45बजे रक्षामंत्री के राष्ट्रीय स्तर पर वर्चुअल उद्घाटन के साथ आम जनता के लिए प्रदर्शनी खोली जायेगी।जो प्रतिदिन दोपहर12बजे से रात्रि8बजे तक जनता के लिए खुली रहेगी।आयुध निर्माणी खमरिया मे भी आयुध उत्पादों की प्रदर्शनी वेस्टलैंड स्टाफ क्लब में लगाई गई है।जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार ने 19 दिसंबर तकआम नागरिकों से दोपहर12से शाम7बजे तक प्रदर्शनी अवलोकन की अपील की है।

19 दिसंबर तक निर्माणी उत्पादों की प्रदर्शनी आमजनों के लिए

अगर मोक्ष नहीं बढाता मदद के हाथ तो लावारिस मानकर हो जाता अंतिम संस्कार

विक्षिप्त बेटे का इलाज कराने आए पिता की अज्ञात हादसे में मौत से फंस गई थी पुलिस और मेडिकल प्रशासन की कलम

जबलपुर, यशभारत। विक्षिप्त बेटे का मेडिकल में इलाज कराने आए पिता का रास्तें में दुर्घटना के चलते एक्सीडेंट हो गया, जिसे अज्ञात लोगों द्वारा मेडिकल में भतीज़ कराने के लिये लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इसके बाद पेच फं सा पोस्टमाटज़्म के समय जब पुलिस ने कागजी खाना पूतिज़ के लिये दुघज़्टना की वास्तविक जगह मालूम न होने के कारण मृतक का पोस्टमाटज़्म में व्यवधान शुरू हो गया। दिन भर शव ऐसे ही पडा रहा ऐसे में जब जानकारी मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर को लगी तो उन्होने आगे आकर इस समस्या के निराकरण के लिये प्रयास शुरू कर दिये। इसी बीच मृतक का विक्षिप्त पुत्र भी कही गायब हो गया जिसे ढूंढा गया और आशीष द्वारा मृतक के आधार कार्ड के आधार पर उनके घरवालों को इसकी सूचना घरवालों को मिलते ही बालाघाट निवासी मृतक अजब लाल की पत्नी पहुंची। मोक्ष संस्था द्वारा सीएमओ और मेडिकल प्रशासन के अन्य जिम्मेवारों तथा पुलिस से चर्चा कर मामले का हल निकाला गया जिसके बाद मृतक का पोस्टमाटज़्म हुआ। अगर इस तरह की पहल मोक्ष संस्था नहीं करती तो मृतक को लवारिश मान लिया जाता।

दो बच्चों का पिता है मृतक

जानकारी के अनुसार मेडिकल में एसिडेंट की जानकारी अज्ञात में डाली गई थी जिसके बाद मौत हो जाने पर दुर्घटना के स्थान की पुष्टि न होने से पुलिस की कलम भी फंस गयी थी। सारा दिन मेडिकल और पुलिस की असमंजस की स्थिति होने के चलते सुबह से शाम हो गई। लेकिन ठीक समय पर मोक्ष संस्था ने सहायता कर एक पति और पिता के शव को लवारिश होने से बचा लिया।

मोक्ष संस्था ने कराया अंतिम संस्कार

मृतक अजब लाल की मृत्यु और उसके पोस्टमार्टम के पश्चात मोक्ष संस्था द्वारा उसका अंतिम संस्कार कराया गया इसके साथ ही संस्था के सदस्यों ने उसके विक्षिप्त पुत्र के इलाज का जिम्मा भी उठाने का फैसला लिया। गौरतलब है कि अज्ञात मौतों को लेकर मेडिकल और पुलिस का रवैया सदैव यही रहा है, यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि मोक्ष संस्था द्वारा इस मामले में मदद नहीं की जाती तो मृतक को लवारिश मानकर ही अंतिम संस्कार कर दिया जाता।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थापित

जबलपुर को मिला सबसे घातक फाइटर प्लेन मिग-21!

जबलपुर, यशभारत। जिस मिग-21 फाइटर प्लेन ने द्वितीय विश्वयुद्ध में दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए थे, उसी लड़ाकू विमान को मध्यप्रदेश के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों की विशेष मांग पर स्थापित किया गया है, खास बात यह है कि एयर मार्शल विभाष पांडे भी कभी इसी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र रहे हैं, बहरहाल अब मिग-21 फाइटर प्लेन न सिफ़ छात्र, बल्कि मध्यप्रदेश वालों की आंखों का तारा होगा। आप भी जानें मिग-21 फाइटर प्लेन

करीब से जान सकेंगे इसकी खूबियां

जबलपुर में स्थापित हुआ मिग-21रक्षा संस्थानों के लिए मशहूर जबलपुर में अब छात्र देश के सबसे भरोसेमंद फाइटर प्लेन मिग-21 की तकनीक से भी रूबरू हो सकेगें, सेना के शौर्य और पराक्रम से नई पीढ़ी को करीब से बताने और मिग-21 की खूबियों के साथ इंजीनियरिंग के छात्रों का तकनीकी कौशल बढ़ाने के मकसद से मिग-21 को जबलपुर की धरती पर लाया गया है, देश में ऐसा पहली बार हुआ है, जब तकनीकी संस्थान में किसी फाइटर प्लेन का स्थापित किया गया है, दुश्मन देशों का काल कहा जाने वाला वायुसेना का ये विमान साल 2018 में रिटायर हो गया था, वायुसेना के बेड़े से रिटायर होने के बाद मिग-21 लड़ाकू विमान दिल्ली में एयरफोर्स बेस स्टेशन पर खड़ा था, रक्षा मंत्रालय की हरी झंडी मिलने के बाद मिग-21 को दिल्ली से अलग-अलग टुकड़ों में जबलपुर लाया गया और यहां इंजीनियिरों की टीम ने पाट्र्स को जोड़कर मिग 21 को तैयार कर दिया है। डीआरडीओ निदेशक की भूमिका अहम फाइटर प्लेन मिग 21 को जबलपुर लाने में डीआरडीओ के डायरेक्टर सुधीर मिश्रा और एयर माशज़्ल विभाष पांडे ने महत्वपूणज़ भूमिका निभाई है, डीआरडीओ के डायरेक्टर सुधीर मिश्रा जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र रहे हैं, जबलपुर आने के बाद मिग-21 लड़ाकू विमान को जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में स्थापित किया गया है, जहां जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्रों को मिग-21 के माध्यम से प्रैक्टिकल जानकारी भी दी जाएगी.फाइटर प्लेन की खासियत जानेंगे छात्रमिग-21 फाइटर प्लेन देख कॉलेज के छात्र-छात्राओं में लड़ाकू विमान को लेकर उत्सुकता इस कदर बढ़ गई है कि असली मिग-21 होने का पता चलते ही उत्साहित छात्र फाइटर प्लेन के साथ सेल्फी लेने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं, जहां इस मिग 21 विमान के आने से छात्रों का वायुसेना और आमीज़ के प्रति जज्बा बढ़ेगा, वहीं तकनीकी ज्ञान से भी अवगत होंगे, साथ ही मिग 21 विमान को नया रंगरूप दिया जा रहा है, कॉलेज प्रबंधन की मानें तो मैकेनिकल में हवा में ध्वनि की गति भी पढ़ाई जाती है, मिग-21 भी अपनी रफ्तार प्रति घंटे/2230 किमी के कारण ही जाना जाता है, इसमें उपयोग किए जाने वाले तकनीकी यंत्रों की जानकारी के साथ विमान की कायज़्प्रणाली आदि से छात्रों को अवगत कराया जाएगा.अपनी

श्रेणी का सर्वश्रेष्ठ फाइटर है मिग-21

मिग-21 सबसे पुराना लड़ाकू विमान है, जोकि अपने समय में सबसे तेज गति से उड़ान भरने वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है, इसकी तेज गति के कारण अमेरिका जैसे देश भी डरते थे, बालाकोट एयर स्ट्राइक में विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तान के सबसे आधुनिक एफ-16 विमान को इसी से मार गिराया था, एविएशन के इतिहास में सबसे अधिक संख्या में बनाया गया सुपर सोनिक फाइटर जेट है, यह अपनी श्रेणी का सवज़्श्रेष्ठ फाइटर और इंटरसेप्टर लड़ाकू विमान माना जाता है.

ट्रेन की पटरियों में मिली युवक की क्षतविक्षत लाश

जबलपुर, यशभारत। पनागर के वर्धा फाटक में आज सोमवार को अलसुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब ट्रेन से कटा शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि जीआरपी ने सूचना दी कि वर्धा फाटक के पास एक युवक, उम्र लगभग 40 का शव मिला है। युवक मालगाड़ी से कटा हुआ प्रतीत हो रहा है। जिसकी शिनाख्तगी के प्रयास जारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है।

UIDAI का नया फीचर, अब बिना इंटरनेट यूज करें आधार

जबलपुर। आधार कार्ड आज सभी भारतीय नागरिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण दस्तावेज है। वर्तमान में सरकारी और गैर सरकारी कोई भी काम आधार के बिना नहीं हो सकता। आज कोई भी काम करने से पहले आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। आधार कार्ड के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है वह बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसको हर किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। इस ओटीपी के बिना ऑनलाइन से संबंधित कोई भी काम नहीं हो सकता।जैसे जैसे आधार की जरूरत बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे इसको मजबूत और आसान बनाया जा रहा है।

आज हर किसी के पास स्मार्टफोन है। कोई भी इंटरनेट के जरिए आधार को डाउनलोड सहित कई प्रकार की सुविधाओं का लाभ ले सकता है।

आधार कार्ड को जारी करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (ढ्ढष्ठ्ठ) ने हाल ही में एक नया फीचर जारी की है।

बिना इंटरनेट के काम करेगा आधार

यह फिक्र उन लोगों के लिए है जो स्मार्टफोन या इंटरनेट यूज नहीं करते हैं। या आप ऐसी जगह चले जाएं जहां पर इंटरनेट काम नहीं कर रहा है। ऐसे लोगों के लिए अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से केवल एक एसएमएस यानी बिना इंटरनेट के आधार से काम आसानी से किया जा सकता। तो

आधार को ऐसे करें लॉक

- ☐ सबसे पहले स्स्र में ञ्जश्वङ्गञ्ज में जाकर 1947 पर GETOTP (SPACE) और आपके आधार नंबर के अंतिम चार अंक डालकर भेजे।
- ☐ इसके बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर छह अंक का ओटीपी मिलेगा।
- ☐ ओटीपी मिलने के बाद 1947 पर LOCKUID-आधार के अंतिम चार डिजिट-ओटीपी लिखकर दोबारा मैसेज भेजना होगा।
- ☐ इसके बाद आपका आधार नंबर लॉक हो जाएगा।

आइए जानते हैं ढ्ढष्ठ्ठ के नए फीचर के बारे में, जो लोगों के लिए यह कितनी सुविधाजनक हैं। इसका किस प्रकार से उपयोग किया जा सकता है।

एक एसएमएस से कई सेवाओं का उपयोग

adhar के इस नए फीचर से यूजर्स आधार कार्ड से जुड़ी कई सर्विसेज जैसे वर्चुअल आईडी का जेनरेशन या रिट्रीवल, अपने आधार को लॉक या अनलॉक करने, बायोमैट्रिक लॉकिंग और अनलॉकिंग सहित कई सेवाओं का उपयोग कर सकते है। अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से हेल्पलाइन नंबर 1947 पर एक SMS भेजने के बाद आने वाले निर्देशों को पालन करना होगा।

सरकारी स्कूलों में बढ़ रही चोरी की घटनाएं

गश्त कराने की मांग

जबलपुर, यशभारत। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों में इन दिनों चोरी की घटनाएं बढ़ने से शिक्षक और विद्यार्थीज़ परेशान है। गत दिनों चोरों ने नगर निगम द्वारा संचालित स्माटज़ स्कूल को निशाना बनाया और स्माटज़ क्लास रूम में रखी महंगी सामग्री चोरी कर ली। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों की स्कूलों में भी चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी है। ये जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश तृतीय वगज़ शासकीय कमज़्चारी संघ ने सभी स्कूलों के आस-पास गश्त कराए जाने की मांग की है। संघ के प्रांतीय महामंत्री योगेंद्र दुबे ने जारी बयान में बताया कि वतज़्मान में शासकीय स्कूलों में स्माटज़ क्लास रूम, कम्प्यूटर, लेपटाप, टीवी, प्रोजेक्टर आदि रखे हैं। स्कूलों में चौकीदारों की भतीज़ पहले से ही बंद है। स्कूलों में सुरक्षा के इंतजाम न होने का फायदा असमाजिक तत्व व चोर उठा रहे हैं। संघ के जिला अध्यक्ष अवेज़्द्र राजपूत, मुन्नालाल पटेल, मुकेश सिंह, मिजाज़ मंसूर बेग, आशुतोष तिवारी, सुरेंद्र जैन, आलोक अग्निहोत्री, दुगेज़्श पांडेय, डॉ संदीप नेमा, संतकुमार छीपा, श्रीराम झारिया, देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्यामबाबू मिश्रा, प्रमोद पासी, श्यामनारायण तिवारी, मनोज सेन आदि ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि स्कूलों में चोरी की घटनाओं को देखते हुए विशेष सुरक्षा गस्त कराए।

पमरे के वित्तीय वर्ष में गुड्स ट्रैफिक की आय में 2574 करोड़ की वृद्धि

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेलवे हमेशा ही सुविधाओं के विस्तार करने में अग्रसर रहता है। रेलवे अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नये-नये आयामो को ब?ावा देना और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने में आगे की ओर ब? रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे व्यापारियों एवं हितग्राहियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए तीनों मण्डलों के कुछ मालगोदमों में 24ङ्ग7 सेवाएं उपलब्ध कराई गई है। गौरतलब है कि पमरे के तीनों मण्डलों में 26 मालगोदमों और 03 रेलवे साइडिंग सहित कुल 29 गुड्स शेड में राउण्ड ओ क्लॉक (24ङ्ग7) सेवाएं उपलब्ध हैं। इस प्रकार पश्चिम मध्य रेल के वित्तीय वर्ष 2021-22 में माह नवंबर तक गुड्स ट्रैफिक की आय में रुपये 2574 करो? की वृद्धि हुई है।तीनों मण्डलों की विस्तृत जानकारी निम्न है।

जबलपुर मण्डल (14 मालगोदमों) जबलपुर मण्डल के पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, कछपुरा, गोसलपुर, डुंडी, मेहगांव, ननवारा, सतना, ब्यौहारी, सागर, गजरा बहरा, मैहर एवं कैमा मालगोदमों में

राउण्ड ओ क्लॉक सेवाएं उपलब्ध है।

भोपाल मण्डल (9 मालगोदमों) भोपाल मण्डल के हरदा, इटारसी, मण्डीदीप, निशातपुरा, गुना, शाजापुर, पाचोर रोड, शिवपुरी एवं सोराई मालगोदमों में राउण्ड ओ क्लॉक सेवाएं उपलब्ध है।

कोटा मण्डल (3 मालगोदमों) ~ कोटा मण्डल के कोटा, बारां एवं भरतपुर मालगोदमों में राउण्ड ओ क्लॉक सेवाएं उपलब्ध है।

रेलवे साइडिंग जबलपुर मण्डल में स्पेशल रेलवे साइडिंग लालनगर, बरगवां रेल कोल साइडिंग एवं गोंडावाली कोल साइडिंग में भी राउण्ड ओ क्लॉक सेवाएं उपलब्ध है।

पश्चिम मध्य रेलवे को यह फायदे

माल यातायात की लोडिंग एवं अनलोडिंग में वृद्धि के साथ रेलवे राजस्व में वृद्धि हुई है।

ज्यादा से ज्यादा माल यातायात की लोडिंग के लिए रैकों की उपलब्धता में भी बढोत्तरी हुई है।

माल यातायात की लोडिंग एवं अनलोडिंग की समय में भी इजाफा हुआ है।

पश्चिम मध्य रेल माल यातायात को ब?ाने के लिए अपने हितधारकों ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हमेशा ही अग्रसर रही है। इसी प्रकार आगे भी सभी मालगोदमों को राउण्ड ओ क्लॉक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहेगा।

सात और तेरह पर संशय चेयरमेन पद पर आमने सामने

अधिवक्ता शैलेन्द्र वर्मा को चेयरमेन चौधरी ने दिया अनुशासनहीनता के लिये शोकॉज नोटिस, वर्मा ने नकारा, कहा - मैं ही चेयरमेन

जबलपुर,यशभारत। स्टेट बार कौसिंल के चेयरमेन पद को लेकर रस्सकशी शुरू हो गयी है। पूर्व चेयरमेन डॉ. विजय चौधरी द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी, जिसके बाद बैठक में श्री चौधरी ने स्वास्थ्य ठीक होने की बात कहते हुए इस्तीफा वापिस ले लिया गया था। उनके प्रस्ताव का उपाध्यक्ष आरके सिंह सैनी, को चेयरमेन मनीष तिवारी, राजेश व्यास,दिनेश नारायण पाठक, जितेन्द्र वर्मा,राजेश पांडे, राजेश शुक्ला, मनीष दत्त, जगन्नाथ त्रिपाठी, विवेक सिंह, सुनील गुप्ता व शिवेन्द्र उपाध्याय ने समर्थन किया। जिसके बाद स्टेट बार कौसिंल के चैयरमेन डॉ. विजय चौधरी पुन बहाल हो गये है, सामान्य सभा की बैठक में उन्हे सदस्यों के तेरह मत प्राप्त हुए है वही चेयरमेन पद की दावेदारी कर रहे अधिवक्ता शैलेन्द्र वर्मा अल्पमत में आ गये, उन्हे सात मतों से ही संतोष करना पडेगा। इसके लिये शैलेन्द्र वर्मा को अनुशासनहीनता के लिये शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया है। श्री वर्मा का दावा है कि बहुमत के आधार पर ही उन्हे चेयरमेन चुना गया है इसलिये अनुशासनहीनता का सवाल ही नहीं उठता है। वही दूसरी ओर सामान्य सभा की बैठक में बहुमत के आधार पर कार्यकारिणी सहित दूसरी समितियां भंग कर दी गई है। समितियों के दुबारा गठन के लिये डॉ. चौधरी ने वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त को कार्यकारिणी समिति का चेयरमेन चुना है।

दिवंगत अधिवक्ताओं के परिवार को मिलेगी मृत्यु दावा राशि

मृत्यु दावा राशि का भुगतान पूर्व की भांति दिवंगत अधिवक्ता के आश्रितों को प्रदान की जायेगी। राज्यअधिवक्ता परिषद कोचेयरमेन मनीष तिवारी की पहल पर साधारण सभा ने यह निर्णय लिया है। भुगतान को लेकर अनिश्चितता को समाप्त करते हुए अधिवक्ता मनीष तिवारी ने सभी सदस्यों से दिवंगत परिवार के आर्थिक रूप से संघर्ष करने की जानकारी देते हुए सभी से इस ओर त्वरित कदम उठाने की अपील की थी जिस पर सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए शीघ्र ही दिवंगत अधिवक्ताओं के परिवार को आर्थिक मदद करने पर सहमति बनी।

संपादकीय

मध्यम-निम्न वर्ग का बढ़ेगा बैंकों पर भरोसा

निश्चित रूप से नौकरीपेशा और मध्यम-निम्न आय वर्ग के लोगों के लिये वह संकटभरा वक्त होता है, जब उन्हें पता लगता है कि जिस बैंक में उनके जीवन भर के खून-पसीने की कमाई जमा थी, वह डूब गया। ऐसी खबरें मीडिया में आने पर खाताधारकों में अफरा-तरफी मच जाती थी। अब तक कुल रकम पर जो क्षतिपूर्ति हेतु एक लाख रुपया मिलता भी था, उसे पाने में सालों बैंकों व सरकारी दफ्तरों के धक्के खाने पड़ते थे। लेकिन रविवार को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम 'डिपॉजिटर्स फर्स्ट = पांच लाख रुपये तक समयबद्ध जमा राशि बीमा भुगतान गारंटी' में प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अब किसी बैंक के डूबने की स्थिति में खाताधारक को कुल जमा राशि की तुलना में पांच लाख रुपये तक दिया जायेगा। जिसे डिपॉजिट इंश्योरेंस क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन द्वारा बैंक डूबने के नब्बे दिन के भीतर खाताधारक को लौटाया जायेगा। दरअसल, सरकार ने वर्ष 2021 के बजट में इस प्रस्ताव की घोषणा की थी, जिसे अब क्रियान्वित किया गया। सरकार का दावा है कि अब तक इस मद में खाताधारकों को 1300 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। दरअसल, इस योजना के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सभी सहकारी बैंकों के खाते भी शामिल होंगे। योजना में बीमे के अंतर्गत जमा खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट, चालू खाते और रेकरिंग डिपॉजिट भी शामिल हैं। निस्संदेह, मुश्किल वक्त के लिये अपनी जमा-पूंजी बैंकों के हवाला करने वाले लोगों को बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा बढ़ेगा।सरकार का दावा है इस योजना से 98 फीसदी खाताधारकों के खाते सुरक्षित हो चुके हैं। निस्संदेह यह सरकार की अच्छी पहल है क्योंकि कुल रकम में से पांच लाख तो कम से कम खाताधारकों को वापस मिलेंगे। अब तक देश के कुल 17 बैंक अपने खाताधारकों के पैसे लौटाने में विफल रहे थे। अच्छी बात यह है कि बीमित राशि लोगों को तीन माह के भीतर देने की गारंटी दी गई है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि बैंकों के सिस्टम में पारदर्शिता लायी जाये। केंद्रीय बैंक व एजेंसियां बैंकों की संदिग्ध कार्यप्रणाली पर नजर रखें। अब आरबीआई सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली की भी देखरेख करेगा। देश में जनधन व अन्य खाते खुलने से बड़ी संख्या में लोगों की बैंकों में भागीदारी बढ़ी है। विमुद्रीकरण के बाद लोग घरों के बजाय बैंकों में पैसा रखने लगे हैं। यदि बैंकों में भी उनका पैसा सुरक्षित न रहे तो वे कहां जायेंगे। सुखद है कि जनधन खाते खुलने और सरकारी योजनाओं की राशि सीधे बैंक खातों में जाने से करीब अस्सी फीसदी महिलाओं के बैंकों में खाते खुल चुके हैं। यहां तक मुद्रा योजना की सत्तर फीसदी लाभार्थी भी महिलाएं ही हैं। इसके अलावा बैंकों से जुड़ी अन्य समस्याओं का भी समय रहते निराकरण, बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा बढ़ाने के लिये हो। समस्या के जटिल होने से पहले ही नीतिगत फैसले से सुधार के प्रयास होने चाहिए क्योंकि आम लोगों की बैंकिंग व्यवस्था में भागीदारी तेजी से बढ़ी है।

गीता जयंती 14 दिसंबर पर विशेष

मनुष्य और परमात्मा का मूल्यवान संवाद है गीता

श्रीमद्भगवत् गीता देश का सर्वाधिक लोकप्रिय एवं पवित्र ग्रंथ है। इसे विद्वानों ने श्परमात्मा का गीतश् भी कहा है। परंतु वास्तव में यह मनुष्य और प्रकृति के बीच ऐसा मूल्यवान संदेश हैए जो ब्रह्मांडीय ज्ञान को विज्ञान से जोडने के साथ मनुष्य को अपने जीवन मूल्य और स्वाभिमान की रक्षा के लिए युद्ध का प्रेरक संदेश भी देता है। इसलिए यह विज्ञान और युद्ध का ग्रंथ भी है। वैसे भी भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद कुरुक्षेत्र के उस मैदान में हुआ थाए जहां युद्ध का होना सुनिश्चित होने के तत्पशचात् भी अर्जुन संबंधियों के मायामोह में शस्त्र डालने की मानसिकता बना चुके थे। किंतु कृष्ण के प्रेरक संदेश से अभिप्रेरित होकरए उन्होंने रक्त संबंधियों से युद्ध की ठान ली। अतएव यह सत्य के यथार्थ का बोध कराने वाला संवाद भी है। ब्रह्मांड के खगोलीय ज्ञान का बोध कृष्ण.अर्जुन के पहले संवाद मार्गशीष शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथी से ही आरंभ हो जाता है।

कृष्ण कहते है कि मैं महीने में अगहन हूं। अर्थात इस संवाद के शुरू होने से पहले ही भारतीय ऋषियों ने काल.गणना को जान लिया था। इसीलिए गीता को चारों वेदए 108 उपनिषद् और सनातन हिंदू दर्शन के छह शास्त्रों के सार रूप में जाना जाता है। इसीलिए गीता को नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम में शामिल करने और राष्ट्र ग्रंथ की श्रेणी में रखने की मांग उठ रही है। गीता के मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने इस दृष्टि से एक वर्णमाला भी तैयार की हैए जिसमें श्अश् से अनार और श्आश् से आम के वनिस्वत श्अश् से अर्जुन और श्आश् से आर्यभट्ट पढाया जाएगा। ये शब्द अर्जुन के रूप में एक समर्थ योद्धा और आर्यभट्ट के रूप मंस खगोल विज्ञानी से जुडे हैं। साफहैए गीता का ज्ञान विज्ञान के सामर्थ्य से उपजा है।

गीता ज्ञान का ऐसा दिव्य स्रोत हैए जो स्वयं व्यक्ति से मैत्री का संदेश देता है। यह एक ऐसा मनोवैज्ञानिक संवाद हैए जो अवसाद से घिरे मनुष्य को उबारने का काम करता है। मौलिक विचार प्रकट करते हुए कृष्ण अजुर्न से कहते हैंए श्मनुष्य को चाहिए कि वह अपने मन के द्वारा अपने जन्म और मृत्यु रूपी बंधन से उद्धार करने की कोशिश करे। यही ज्ञान उसे दयनीयता से बाहर निकाल सकता है।श् अर्जुन अपने संबंधियों को शत्रु के रूप में देख इसी निम्नता के बोध से घिरकर संग्राम से पलायन की मानसिकता बना बैठा था। कृष्ण कहते हैं कि श्मन के भीतर जो जीवात्मा हैए वही आपकी सच्ची मित्र और शत्रु है।श् अतएव हीनता और अवसाद से घिरे मनुष्य को जीवात्मा से संवाद करने की जरूरत है।

दुनिया के अनेक देशों में राष्ट्रीय झंडाए चिन्हए पक्षी और पशु की तरह राष्ट्रीय ग्रंथ भी हैं। अलबत्ता हमारे यहां श्धर्मनिरपेक्षष् एक ऐसा विचित्र शब्द हैए जो राष्ट्र.बोध की भावना पैदा करने में अकसर रो?ा अटकाने का काम करता है। गोया गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ बना देने की घोषणाएं जरूर होती रही हैंए लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है। हालांकि नरेंद्र मोदी सरकार बनने के बाद से उन मुद्दों का हल होना शुरू हो गया हैए जो भाजपा और संघ के मूल अजेंडे में शामिल रहे हैं। इनमें धारा 370 एवं 35.ए तीन तलाकए राम मंदिर और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अमल हो गया हैए लेकिन समान नागरिक संहिताए समान शिक्षाए राष्ट्र भाषा और संस्कृत प?ाए जाने के मुद्दे अभी हल नहीं हो पाए हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों के समाधान भी हो जाएंगे।

गीता जीवन जीने का तरीका सिखाती हैए बावजूद संविधान में दर्ज श्धर्मनिरपेक्षताश् शब्द एक ऐसा आडंबर हैए जो गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित और इसे शालेय शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने में सबसे ब?ी बाधा है। हालांकि संविधान में व्यक्त न तो धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा स्पष्ट है और न ही उच्चतम न्यायालयों के विभिन्न न्यायाधीशों द्वारा धर्मनिरपेक्षता शब्द कीए की गई व्याख्याओं में एकरूपता है। इसलिए गीता को जब भी राष्ट्रीय महत्व देने की बात उठती हैए तो तथाकथित धर्मनिरपेक्षतावादी सेक्युलरिज्म की ओट में गीता का विरोध करने लगते हैंए क्योंकि यह बहुसंख्यक किंतु ऊदारवादी हिंदू धर्मावलंबियों का ग्रंथ है। दूसरी तरफ अल्पसंख्यकों के शिक्षा संस्थान में कुरान की आयतेंए बाईबिल के संदेश अथवा अन्य मध्ययुगीन मजहबी किताबें पढाई जाती रहेंए तो मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों और तथाकथित सेकुलर राजनीतिज्ञों को कोई आपत्ति नहीं होती घ् जबकि श्रीमद्भगवत गीता दुनिया का एक मात्र ऐसा ग्रंथ हैए जिसकी रचना महाभारत युद्ध के दौरान एक विशेष कालखंड में राष्ट्रीयताए नैतिकता और मानवता के चरम तत्वों की प्राप्ती के लिए हुई थी। गोया यह मानव संघर्ष के बीच रचा गया युद्ध के संदेश का शास्त्र है। आज दुनिया आतंकवाद के संक्रमण काल से गुजर रही हैंए ऐसे में गीता का संदेश कर्म और उदात्त तत्वों को ग्रहण करने का एक श्रेष्ठ माध्यम बन सकता है।

प्रत्यक्षतः दुनिया शांति और स्थिरता की बात करती है। लेकिन शासकों के पूर्वाग्रहए अंतर्द्वंद्वए आधुनिक विकास और सत्ता की प्रतिस्पर्धा ऐसी महत्वाकांक्षाएं जगाते हैं कि दुनिया कहीं ठहर न जाए घ् इसलिए भीतर ही भीतर धर्मए संप्रदायए जाति और नस्ल के भेद के आधार पर दुनिया को सुलगाए रखने का काम भी यही शासक करते हैं। परिणामस्वरूप दुनिया में संघर्ष और टकराव उभरते रहे हैं। टकराव के एक ऐसे ही कालखंड में कर्मयोगी श्रीकृष्ण के मुख से अर्जुन को कर्तव्यपालन के प्रति आगाह करने के लिए गीता का सृजन हुआ। इसीलिए इसे संघर्ष.शास्त्र भी कहा गया है। गीता का संदेश हैए उठो और चुनौतियों के विरूद्ध लडो। क्योंकि अर्जुन अपने परिजनोंए गुरूजनों और मित्रों का संहार नहीं करना चाहते थे। वे युद्ध से विमुख हो रहे थे। यदि इस मानव.संघर्ष में अर्जुन धनुष.बाण धरा पर धर देते तो सत्ताधारी कौरव जिस अनैतिकता व अराजकता के चरम पर थेए वह ज?ता टूटती ही नहीं घ् यथास्थिति बनी रहती है। परंपरा में चले आ रहे तमाम ऐसे तत्व शामिल होते हैंए जो वाकई अप्रासंगिक हो चुके होते हैं। मूल्य.परिवर्तनशील समय में शाश्वत बने रहेंए इसलिए परंपरा में परिवर्तन जरूरी हैं। गीता में परिवर्तन के क्रम में प्रासंगिक कर्म की व्याख्या की गई है। इसीलिए यह युगांतरकारी ग्रंथ है।

दुनिया के प्रमुख ग्रंथों में गीता ही एक ऐसा ग्रंथ हैए जिसका अध्ययन व्यक्ति में सकारात्मक सोच के विस्तार के साथ उसका बौद्धिक दायरा भी ब?ाती है। फ्लतः गीता के विभिन्न लोग एक सौ से भी ज्यादा भाष्य लिख चुके हैं। अन्य धर्म.ग्रंथों की तो व्याख्या ही निषेध है। हालांकि कोई धर्म ग्रंथ चाहे वह किसी भी धार्मिक समुदाय का होए दुनिया के सभी देशों के बीच उनका सम्मान करने की एक अघोषित सहमति होती है। गीता विलक्षण इसलिए हैए क्योंकि यह सनातन धर्मावलंबियों का आध्यात्मिक ग्रंथ होने के साथ दार्शनिक ग्रंथ भी है। इसमें मानवीय प्रबंधन के साथ समस्त जीव.जगत व ज?.चेतन को एक कुटुंब के रूप में देखा गया है और उनकी सुरक्षा की पैरवी की गई है। इसीलिए भारतीय प्रबंधकीय शिक्षा में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश और गीता के सार को स्वीकार किया गया है। जब प्रबंधन की शिक्षा गीता के अध्ययन से दिलाई जा सकती हैए तो शिक्षा में गीता का पाठ क्यों शामिल नहीं किया जा सकता घ् जबकि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी मदरसों में धर्म के पाठए धार्मिक प्रतीक चिन्हों के साथ खूब प?ाए जाते हैं।

गीता ज्ञान की जिज्ञासा जगाने वाला ग्रंथ है। इसीलिए प्राचीन दर्शन परंपरा के विकास में इसकी अहम् भूमिका रही है। आदि शंकराचार्य से लेकर संत ज्ञानेश्वरए महर्षि अरविंदए लोकमान्य तिलकए महात्मा गांधीए विनोवा भावेए डॉण् राधाकृष्णनए ओशो और प्रभुपाद जैसे अनेक मनीषी.चिंतकों ने गीता की युगानुरूप मीमांसा करते हुएए नई चिंतन परंपराओं के बीच नए तत्वों की खोजें की हैं। यही नहीं मुगल बादशाह दाराशिकोह और महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन तक को एकेश्वरवाद पर आधारित इस ग्रंथ ने भीतर तक प्रभावित किया था। दाराशिकोह ने गीता का फ़ारसी भाषा में अनुवाद भी किया था। तय हैए व्यक्ति और समाज की रचनात्मकता में गीता का अतुलनीय योगदान रहा है। कालजयी नायकों में गीता के स्वाध्याय से उदात्त गुणों की स्थापना हुई है। इसीलिए ये महापुरूष कर्म की श्रेष्ठता को प्राप्त हुए।

प्रमोद भार्गव

आप का राशिफल 14 दिसंबर

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को ङा

दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो ढा

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5677

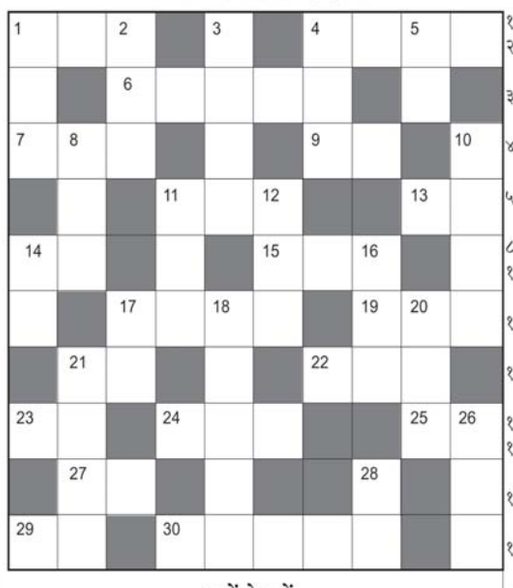

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 5676

ब्लै	क	मे	ल	■	जं	■	बे	व	फा
क	■	ला	ल	बं	ग	ला	■	जू	■
■	ही	■	का	■	ली	■	ग	द	र
मे	रा	ध	र	म	■	रा	ज	■	फ्ता
हं	■	मां	■	ह	वा	■	ब	हा	र
दी	दी	■	दि	ल	दा	र	■	सि	■
■	दा	मु	ल	■	■	मा	ई	ल	व
सु	र	■	से	ह	रा	■	■	■	फा
हा	■	य	■	व	■	ज	या	प्र	दा
ग	दिं	ड	■	स	त्या	■	दें	■	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दृश्यमान जगत

भ्रमजाल से परे है गीता में माया की अवधारणा

दृश्यमान जगत को प्रभु की माया कहा गया है। आम बोलचाल की भाषा में माया का अर्थ है धोखा, भ्रान्ति या झूठी दिखावट। इसलिए, कुछ लोगों का मानना है कि दुनिया केवल एक भ्रमजाल है। भगवद्गीता इस विचार को स्वीकार नहीं करती। वह नहीं मानती कि संसार के सभी प्राणी, वस्तुएं और घटनाएं अवास्तविक हैं। माया ईश्वर की वह शक्ति है जो उसे ब्रह्मांड का सृजन करने में सक्षम बनाती है। यह वह ऊर्जा है जिसके द्वारा ईश्वर हरदम परिवर्तनशील संसार का निर्माण और पालन-पोषण करता है। इसलिए निर्मित ब्रह्मांड को माया भी कहा गया है। भगवान श्रीकृष्ण श्लोक संख्या 4.6 में कहते हैं कि यद्यपि वे अजन्मे, अविनाशी और समस्त जीवों के स्वामी हैं; तो भी वे अपनी प्रकृति में स्थित होकर अपनी ही आंतरिक शक्ति (आत्म-माया) के द्वारा प्रकट होते हैं। दूसरे शब्दों में परमात्मा माया के माध्यम से अपना रूप धारण करते हैं। 7.4 से 7.6 के श्लोकों में ब्रह्मांड की उत्पत्ति की व्याख्या की गयी है। यह बताया गया है कि ईश्वर के दो प्रकार के स्वभाव हैं, पहला भौतिक प्रकृति (लौकिक स्वभाव) और दूसरा चेतन प्रकृति (अलौकिक स्वभाव)। पहले स्वभाव में शामिल हैं पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि एवं अहं-भाव; और दूसरा स्वभाव है आत्मा। भौतिक प्रकृति नाशवान है, आत्मा अमर और अविनाशी है। समस्त प्राणी इन दो स्वभावों से ही उत्पन्न होते हैं। ईश्वर सम्पूर्ण जगत को पैदा करने वाला और उसका विनाश करने वाला है। इस प्रकार सम्पूर्ण ब्रह्मांड ईश्वर के इन दो स्वरूपों के द्वारा ही बनाया गया है। यही विषय कि सभी प्राणी भौतिक और चेतन प्रकृति के संयोग से ही पैदा होते हैं, श्लोक संख्या 13.27, 14.3 और 14.4 में भी दोहराया गया है। चूंकि भौतिक प्रकृति और चेतना, दोनों ईश्वर के ही स्वभाव हैं, वे ही पूरे ब्रह्मांड की माता और उनके पिता भी हैं। श्लोक संख्या 7.7 में कहा गया है कि यह सम्पूर्ण जगत ईश्वर में ऐसे ही गुंथा रहता है, जैसे माला के मोती धागे में गुंथे रहते हैं। इसके अलावा श्लोक संख्या 18.61 में कहा गया है कि ईश्वर समस्त प्राणियों के हृदय में निवास करते हुए, उन्हें अपनी माया के द्वारा, इस जगत में ऐसे घुमाता रहता है, जैसे वह किसी यन्त्र पर आरू? हों। इस प्रकार, ईश्वर अपनी रहस्यमय शक्ति माया के द्वारा न केवल ब्रह्मांड का निर्माण करते हैं, बल्कि उसी शक्ति के माध्यम से इसे व्यवस्थित ढंग से चलाने का काम भी करते हैं। सभी प्राणियों के हृदय में विराजमान, वे (ईश्वर) जीवन के विकास की प्रक्रिया को भी बल देते हैं। श्लोक संख्या 16.8 और 16.9 में यह स्पष्ट किया गया है कि ईश्वर द्वारा अपनी माया के माध्यम से बनाया गया दृश्यमान जगत वास्तविक है, न कि एक भ्रम। श्लोक संख्या 7.14 में माया के अन्य रहस्यों का खुलासा करते हुए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि तीन गुणों से युक्त उनकी (ईश्वर की) इस दिव्य माया को पार कर पाना बहुत कठिन है। ईश्वर सृष्टि की रचना करता है परन्तु स्वयं इस सृष्टि से परे रहता है। माया द्वारा बनाए गए दृश्यमान जगत की चकाचौंध से बच पाना किसी के लिए भी मुश्किल है। इंद्रियों के विषय से आकर्षित होकर मनुष्य अपने मन को सृष्टिकर्ता में लगाने के बजाय सृष्टि की वस्तुओं में ज्यादा लगाता है। माया जब मनुष्य का ज्ञान हर लेती है, तब वह सांसारिक मायाजाल में फंसा रहता है और ईश्वर की शरण ग्रहण नहीं करता। विषयों का आकर्षण उसे ईश्वर से दूर ले जाता है। माया के ऐसे आकर्षण के कारण आत्मा, जो अन्यथा मुक्त है, स्वयं को बंधन में पाती है। परन्तु जो पुरुष ईश्वर की शरण में आ जाते हैं, वह माया को पार कर जाते हैं, अर्थात प्रकृति और उसके गुणों से ऊंचा उठ जाते हैं।

सूडोकु नवताल- 6181

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagruti

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6180 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

विचार प्रवाह

मेरी वाणी कठोर हो सकती है लेकिन जिंदगी क सार इसी कठोर वाणी में है। तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे जख्मों पर मरहम पट्टी कर दूं और उन्हें छोड़ दूं। पर मैं ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि यह जरूरी है। बीमारी का लक्षण मिटाने सेबीमारी नहीं मिटती। तुम्हें बुखार चढ़ा हो और ठंडे पानी में बैठ जाओ तो शरीर तो ठंडा हो जाएगा। साथ में तुम भी ठंडे हो जायेगा। साथ में तुम भी ठंडे हो जाओगे। लक्षणों का इलाज नहीं करना है, बल्कि बीमारी का इलाज करना रोग मोह है, इलाज मोक्ष है।

■ मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7242

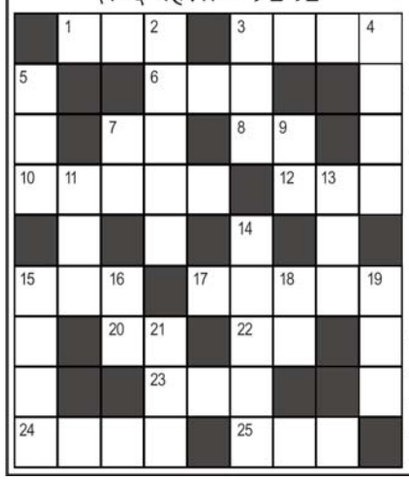

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -7241 का हल

प	र	व	र	दि	शा	र	■	■
■	च	■	ह	■	ड़ी	■	अ	■
आ	ना	■	मा	ल	वा	■	दा	म
रा	■	म	न	■	न	ल	■	न
म	ही	न	■	■	■	ल	की	र
दे	■	न	स	■	ह	क	■	ख
ह	त्या	■	र	न	र	■	का	ना
■	ग	■	ह	■	द	■	फि	■
■	■	व	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्पीड इंटरसेप्टर पकड़ेगा खतरनाक ड्राइविंग

निजी वाहन पर एक हजार एवं व्यवसायिक पर तीन हजार जुर्माना

भोपाल। शहर में यातायात नियमों को मजाक समझने वाले वाहन चालकों को भविष्य में तेज रफ्तार वाहन चलाना महंगा पड़ सकता है। यातायात पुलिस ने मध्य प्रदेश परिवहन नियमों के अनुसार स्पीड इंटरसेप्टर वाहन से चालानी कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रैफिक पुलिस यदि निर्धारित मार्ग पर तय गति सीमा से अधिक रफ्तार पर वाहन को चलता पाती है तो एक से तीन हजार रुपए तक का जुर्माना वाहन चालक से वसूल किया जा सकता है। निजी वाहन होने पर जुर्माना राशि 1000 की गई है जबकि व्यवसायिक वाहनों पर तेज रफ्तार एवं गति सीमा का उल्लंघन करने पर 3000 का जुर्माना लगाया जाएगा। यातायात पुलिस भोपाल का स्पीड इंटरसेप्टर वाहन औचक रूप से शहर के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण करेगा एवं किसी भी स्थल पर गति सीमा का परीक्षण कर सकेगा। इंटरसेप्टर वाहन में कई खुबिया है। यह दिन के साथ रात्रि में भी वाहनों को कैप्चर कर सकता है। इसको पुलिसकर्मी ऑपरेट करेंगे। प्रदेश में 52 जिलों में से 33 जिलों में इंटरसेप्टर वाहन प्रदान किया गया है।

इंटरसेप्टर वाहनों से तेज रफ्तार वाहनों की चालानी कार्रवाई शुरु कर दी गई है। इससे यातायात कर्मी भी सुरक्षित रहेंगे। विजय कुमार दुबे, टीआई, ट्रैफिक

ये हैं इस वाहन की खूबियां

यह वाहन अत्याधुनिक मशीनों से लैस है। स्पीड लेजर गन, लेजर एवं इंफ्रारेज तकनीक में कार्य करती है। सड़क पर तेज गति से चलने वाले वाहनों को ना केवल दिन में बल्कि रात में भी कैप्चर कर लेती है। यह दो किमी तक वाहन की स्पीड कैप्चर करती है लेकिन एक किमी की रेंज में ज्यादा अच्छे तरीके से काम करती है। इसमें तेज गति से चलने के साथ बिना सीट बेल्ट, ट्रिपल सवारी, बिना हेलमेट,मोबाइल पर बात करने जैसी बातों की वीडियो रिकॉर्डिंग हो सकती है। इसमें प्रिंटर दिया गया है। जिसमें वाहन का ब्यौरा प्रिंटआउट में निकल जाता है। ये जानकारी देता है कि कौन से एक्ट का उल्लंघन किया गया है। ये वाहन जीपीएस सिस्टम से लैस है। किस समय, तारीख की कार्रवाई हुई है बता देता है।

भोपाल-बिलासपुर व हमसफर समेत 14 ट्रेनें अगले कुछ दिन रहेंगी निरस्त

भोपाल। अगर आप अगले कुछ दिन में रेल यात्रा की योजना बना रहे है तो यह खबर आपके लिए है। भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से संतरागाछी के बीच चलने वाली एक्सप्रेस दस दिन तक निरस्त रहेंगी। इसके अलावा भोपाल और संत हिरदाराम नगर स्टेशन से गुजरने वाली अप-डाउन की 10 साप्तहिक ट्रेनों को भी 12 से 23 दिसंबर तक अलग-अलग तारीखों में निरस्त किया जाएगा। 12 से अधिक ट्रेनों के मार्ग बदले जाएंगे। दरअसल बिलासपुर और झांझी रेल मंडल में किए जा रहे पटरी जोड़ने के काम के चलते रेलवे ने यह निर्णय लिया है। वहीं रेलवे ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से अगरतला के बीच चलने वाली साप्ताहिक हमसफर एक्सप्रेस को चलाने की अवधि में विस्तार कर दिया है।

ट्रेन रहेगी निरस्त

- ट्रेन 22169 रानी कमलापति-संतरागाछी सुपरफास्ट हमसफर एक्स., 15 से 22 दिसंबर।
- ट्रेन 22170 संतरागाछी-रानी कमलापति सुपरफास्ट हमसफर एक्स., 16 से 23 दिसंबर।
- ट्रेन 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्स., 14 से 22 दिसंबर।
- ट्रेन 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्स, 13 से 21 दिसंबर।
- ट्रेन 12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक एक्स., 14 व 21 दिसंबर।
- ट्रेन 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर साप्ताहिक एक्स., 15 व 22 दिसंबर।
- ट्रेन 12103 पुणे-लखनऊ जंक्शन साप्ताहिक एक्स., 21 दिसंबर।
- ट्रेन 12104 लखनऊ जंक्शन-पुणे साप्ताहिक एक्स., 22 दिसंबर।
- ट्रेन 11407 पुणे-लखनऊ जंक्शन साप्ताहिक एक्स., 14 व 21 दिसंबर।
- ट्रेन 11408 लखनऊ जंक्शन-पुणे साप्ताहिक एक्स., 16 व 23 दिसंबर।
- ट्रेन 22121 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-लखनऊ साप्ताहिक एक्स., 18 दिसंबर।
- ट्रेन 22122 लखनऊ-लोकमान्य तिलक साप्ताहिक एक्स., 19 दिसंबर।
- ट्रेन 20413 वाराणसी-इंदौर द्विसाप्ताहिक एक्स., 21 दिसंबर।
- ट्रेन 20414 इंदौर-वाराणसी द्विसाप्ताहिक एक्स., 22 दिसंबर।

इन ट्रेनों के मार्ग बदले

- 12 व 19 दिसंबर को ट्रेन 12143 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सुल्तानपुर एक्स.
- 14 व 21 दिसंबर को ट्रेन 12144 सुल्तानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्स.,
- 11, 14, 18 व 21 दिसंबर को ट्रेन 16093 चेन्नई सेंट्रल-लखनऊ जंक्शन एक्स.,
- 13, 16 व 20 दिसंबर को ट्रेन 16094 लखनऊ जंक्शन-चेन्नई सेंट्रल एक्स.,
- 16 दिसंबर को ट्रेन 22468 गांधीनगर-वाराणसी जंक्शन एक्स.,
- 12 व 19 को ट्रेन 19306 गुवाहाटी-इंदौर एक्स., 15 दिसंबर को ट्रेन 12943 बलसाड़-कानपुर सेंट्रल एक्स.,
- 11, 13, 14, 15, 17, 18, 20 व 21 दिसंबर को ट्रेन 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्स.,
- 17 दिसंबर को ट्रेन 12944 कानपुर सेंट्रल-बलसाड़ एक्स., 22 दिसंबर को ट्रेन 12589 गोरखपुर-सिकंदराबाद एक्स.,
- 21 दिसंबर को ट्रेन 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्स. प्रारंभिक स्टेशन से चलकर परिवर्तित मार्ग वाया-झांसी-ग्वालियर-भिंड-इटावा-कानपुर सेंट्रल स्टेशन होकर चलेगी।
- 12, 14, 19 व 21 दिसंबर को ट्रेन 12173 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-प्रतापगढ़ एक्स.,
- 14, 16 व 21 दिसंबर को ट्रेन 12174 प्रतापगढ़-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्स., 11, 13, 15, 18 व 20 दिसंबर को ट्रेन 12107 लोकमान्यतिलक टर्मिनस-लखनऊ जंक्शन एक्स.,
- 16 दिसंबर को ट्रेन 11079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्स., 15 दिसंबर को ट्रेन 22534 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्स.,
- 16 दिसंबर को ट्रेन 15024 यशवंतपुर-गोरखपुर एक्स. अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलकर परिवर्तित मार्ग वाया-झांसी-आगरा कैंट-टुंडला-कानपुर सेंट्रल स्टेशन होकर चलेगी।
- वहीं 14 व 21 दिसंबर को ट्रेन 15101 छपरा-लोकमान्यतिलक टर्मिनस एक्स.,
- 16 दिसंबर को ट्रेन 15102 लोकमान्यतिलक टर्मिनस-छपरा एक्स. प्रारंभिक स्टेशन से चलकर परिवर्तित मार्ग वाया-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर-प्रयागराज जंक्शन स्टेशन होकर चलेगी।

महापंचायत को और मजबूत करने सदस्यता अभियान चलाएंगे - तोमर

भोपाल। राष्ट्रवाद व लोकतंत्र के विरोधी हैं इस्लाम और कुरान। जनरल बिपिन रावत, उनकी धर्मपत्नी मधुलिका रावत और अन्य सैन्य अधिकारियों व जवानों के बलिदान पर हंसने वालों ने यह एक बार फिर स्पष्ट कर दिया। इनको सपोर्ट करने वाले फिर वही कांग्रेसी, वामपंथी, जेएनयू, टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग हैं। ये लोग भूल रहे हैं कि अब यह सब देश सहन नहीं करेगा। यह कहना था श्री राजपूत महापंचायत के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर का। वे चूनाभट्टी स्थित महापंचायत के कार्यालय पर मंडीदीप व रायसेन से आए राजपूत/क्षत्रिय समाजसेवियों की बैठक संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन राष्ट्र ने यवन, तुर्की, यूनानी, ईरानी, अफगानी, मंगोल, पुर्तगाली, मुगल, अंग्रेजों का सामना किया और उन्हें टिकने नहीं दिया। आज अली अकबर, वसीम रिजवी, तारिक फतेह जैसे पढ़े लिखे मुसलमान इस्लाम त्यागकर सनातन में आ रहे हैं। निकट भविष्य में भारत हिन्दू राष्ट्र घोषित होगा। मादरे वतन की राष्ट्रवाद से मत जोड़िए। राज्य की व्यवस्था इस्लाम में नहीं है। वहां अल्लाह रसूल, खलीफा आदि उनकी व्यवस्थाएं हैं। मजहब के नाम पर असामाजिक तुष्टीकरण अब चलने वाला नहीं है। इस अवसर पर श्री राजपूत महापंचायत के ह्लमहासचिव अभय सिंह परमार, पंडित शिवकुमार भार्गव, सच्चिदानंद सिंह, रणजीत सिंह राजपूत, राजू चौहान, करण सिंह राजपूत, विश्वनाथ ठाकुर, आरती राजपूत, भूपेंद्र सिंह रोहित सिंह समेत कई राजपूत/क्षत्रिय सरदार उपस्थित हुए। बैठक में मुलाकात की बैठक के दौरान मंडीदीप क्षेत्र में सामाजिक बंधुओं को एक करने व सदस्यता अभियान चलाने जैसे बिदुओं पर विशेष चर्चा हुई। आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी मंथन किया गया।

5 व 8 वीं बोर्ड परीक्षा नहीं होगी

वार्षिक परीक्षा केआधार पर ही होगा मूल्यांकन - राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से पहली से आठवीं तक की वार्षिक परीक्षा मार्च में आयोजित होगी

भोपाल । कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस साल पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। बल्कि पिछले साल की तरह वार्षिक परीक्षा के आधार पर ही मूल्यांकन होगा। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से पहली से आठवीं तक की वार्षिक परीक्षा मार्च में आयोजित की जाएगी। अभी परीक्षा की समयसारिणी जारी नहीं की गई है। विद्यार्थियों का प्रतिभा मूल्यांकन जनवरी में एवं वार्षिक मूल्यांकन मार्च में किया जाएगा। बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 2019 में पांचवीं व आठवीं में बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा आयोजित कराने का निर्णय लिया था। कुछ विषयों की परीक्षा हुई, लेकिन लाकडाउन के कारण शेष विषयों की परीक्षाएं निरस्त कर उन विषयों में बच्चों को जनरल प्रमोशन दे दिया गया था। इसके बाद पिछले साल बच्चों के घर-घर वर्कशीट भेजकर वार्षिक मूल्यांकन किया गया। बता दें कि 2009 में बोर्ड परीक्षा को खत्म किया गया था और इन कक्षाओं में फेल होने वाले बच्चों को औसत अंक देकर पास कर दिया जाता था। दो साल पहले फिर से बोर्ड पैटर्न लागू किया गया, लेकिन पूरा नहीं हो पाया। वहीं, मप्र बोर्ड के निजी स्कूलों में तो पिछले साल भी बोर्ड पैटर्न लागू नहीं हो पाया था। अब इस बार भी नहीं होगा। प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों में पांचवीं व आठवीं कक्षा में करीब आठ लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। - 60 अंक के लिखित व 40 अंक के प्रोजेक्ट कार्य पर होगा मूल्यांकन राज्य शिक्षा केंद्र ने पहली से आठवीं कक्षा तक के पूरे पाठ्यक्रम को 60 व 40 के अनुपात में पुनर्नियोजित कर दिया है। इसमें पहली से आठवीं कक्षा के सभी विषयों में 60 अंक की थ्योरी और 40 अंक के प्रोजेक्ट कार्य होंगे। इस बार भी कक्षा पहली एवं दूसरी के बच्चों को स्कूलों से ही अभ्यास पुस्तिका दी जाएगी, जिसके अंत में वर्कशीट होगी। इसमें हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के प्रश्न होंगे। कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों को दी जाने वाली वर्कशीट में कौशल आधारित प्रश्न और प्रोजेक्ट वर्क होंगे। वर्कशीट में ही प्रश्नों के उत्तर और प्रोजेक्ट वर्क लिखने के लिए स्थान रहेगा। वर्क शीट में 60 प्रतिशत लिखित एवं 40 प्रतिशत अंक प्रोजेक्ट कार्य के आधार पर दिए जाएंगे। प्रोजेक्ट वर्क में छात्रों से कोई माडल नहीं बनवाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट वर्क घर में उपलब्ध रोजमर्रा की सामग्री के आधार पर या घर के सदस्यों से पूछकर पूरे किए जा सकेंगे। यानी बच्चों को प्रोजेक्ट बनाने में दादा-दादी, माता-पिता और भाई-बहन मदद कर सकेंगे।

सरकारी व निजी स्कूलों के पांचवीं व आठवीं बोर्ड परीक्षा के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। इस बार सामान्य वार्षिक परीक्षा ही आयोजित की जाएगी। - धनराजू एस, आयुक्त, राज्य शिक्षा केंद्र

कॉलेज की छात्रा से जालसाज ने 40 हजार रुपए ठग लिए

भोपाल। खजूरीकला थाना क्षेत्र में रहने वाली एक कॉलेज की छात्रा को जालसाज ने बैंक खाते में रकम नहीं दिखाने का झांसा देकर मोबाइल में एक एप डाउनलोड करा दिया। एप डाउनलोड के समय फरियादी की पूरी जानकारी मांग ली और उसके बाद उसके खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए हैं। वहीं एक व्यक्ति को निजी फाइनेंस कंपनी से लोन दिलाने का झांसा देकर 28 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पिपलानी पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय नीलम गुप्ता पुत्री सिद्धनाथ गुप्ता इन्द्रा नगर खजूरीकला में परिवार के साथ रहती है। वह भोपाल की एक कॉलेज की छात्रा है। उसने पुलिस को बताया कि 24 नवंबर को उसके मोबाइल में कस्टमर केयर नाम से एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि आपके बैंक खाते में बैलेंस कितना है, यह पता नहीं चल रहा है। जालसाज ने कहा कि आप एक ऐप डापउनलोड कर लीजिए, ताकि आपको घर बैठे बैंक खाते की डिटेल पता चलती रहे। जालसाज के झांसे में आकर युवती ने उसके बताए ऐप को मोबाइल में डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उसके खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए गए।

नेशनल लोक अदालत में निगम ने की रिकार्ड कमाई

भोपाल। नेशनल लोक अदालत के तहत नगर निगम ने पहली बार एक दिन में 17 हजार 600 से अधिक करदाताओं से करीब 21 करोड़ रुपये की आय हुई है। वह भी तब जब डेढ़ से दो बजे तक आधा घंटे के लिए साफ्टवेयर में खराबी होने के कारण सर्वर डाउन रहा। इस दौरान कर वसूली पूरी तरह ठप रही। खामी यह रही कि जलकर जमा करने वालों को पूरी साल में भी सरचार्ज की सौ फीसद छूट दे दी गई। इसको लेकर कई वार्ड कार्यालयों में नोक -झोंक हुई। दरअसल, नेशनल लोक अदालत के दौरान लगने वाले शिविरों में अलग-अलग बकाया राशि पर सरचार्ज (अधिभार) में छूट दी जाती है। लेकिन यह छूट बकाया टैक्स में मौजूदा साल के बिल में नहीं दी जाती। जबकि शनिवार को लोक अदालत के दौरान ई-नगर पालिका साफ्टवेयर में यह छूट बकाएदारों को करंट इयर तक दी गई। 19 जोन और 85 वार्डों में लगे वसूली शिविरों में 6600 से ज्यादा लोगों ने पानी का बकाया बिल जमा किया। इन सभी को करंट इयर का सरचार्ज माफ हो गया।

सीक्रेट सर्वे में फेल हुई भोपाल की सफाई व्यवस्था

भोपाल। देश के स्वच्छतम शहरों में भोपाल का नाम टाप थ्री में आखिर क्यों नहीं आ पाया। इसको लेकर नगर निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी ने शहर में एक सीक्रेट सर्वे शुरू करवाया है। इस सर्वे की प्रारंभिक रिपोर्ट में चौकाने वाले तथ्य सामने आए है। जिससे खुद नगर निगम आयुक्त सकते में आ गए है। ऐसा इसलिए क्योकि देश के स्वच्छतम शहरों में सातवे स्थान पर आने के बावजूद शहर के दो जोन पांच और आठ में गंदगी की भरमार मिली है। इसके चलते नगर निगम आयुक्त ने दोनों जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एएचओ को कार्रवाई का अल्टीमेटम भी दे दिया है। दरअसल, 19 जोनों के तहत आने वाले 85 वार्डों में से 65 वार्डों में सफाई व्यवस्था बेपटरी हो गई है। सबसे ज्यादा गंदगी जोन 5 और 8 में पसरी पड़ी है। ये दोनों जोन ऐसे हैं, जिनमें घना रहवासी क्षेत्र होने के बावजूद सबसे ज्यादा गंदे है। यहां जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं और नालियां भरी हुई हैं। इसकी जांच करने नगर निगम आयुक्त शनिवार को खुद सच्चाई का जायजा लेने निकल पड़े। उन्होंने जोन 2, 4, 5 और 8 का जायजा लिया। यहां जगह-जगह गंदगी देख आयुक्त भड़क गए। उन्होंने तत्काल जोन के एएचओ को तलब किया और फटकार लगाई और कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया।

ड्रग के खिलाफ हेल्पलाइन शुरू करेंगे इंदौर सीपी

एक्शन में पुलिस कमिश्नर- फोन न उठाने वाले थाना प्रभारियों को दी चेतावनी, स्कूल-कॉलेज व बस स्टॉप पर लिखें मोबाइल नंबर

इंदौर। नवागत पुलिस कमिश्नर (सीपी) हरिनारायणाचारी मिश्र रविवार को एक्शन में नजर आए। पलासिया पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में उन थाना प्रभारियों को चेताया जो सरकारी फोन नहीं उठाते। सीपी ने मातहतों से सूचीबद्ध अपराधियों की बाउंड ओवर,जिलाबदर,रासुका और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की फाइलें भी मांग ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर मनीष कपूरिया, डीसीपी महेश चंद जैन और आशुतोष बागरी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी और सभी टीआइ मौजूद थे। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि चुनौती का दौर है। नई जिम्मेदारी मिली है।थाना प्रभारी संसाधनों की कमी न गिनाए।प्रमुख स्थानों पर बल की दृश्ता नजर आना चाहिए। शाम को चेकिंग के वक्त टीआइ-एसीपी को मौजूद रहना चाहिए। टीआइ अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करें। सूचीबद्ध बदमाशों की जिलाबदर, रासुका की फाइलें तैयार कर लें। विवादितों को बाउंड ओवर करें और उल्लंखन करने पर तत्काल 122 के तहत प्रकरण पेश करें।इसके बाद सभी थाना प्रभारियों ने वो फाइलें निकालना शुरू कर दी जो कलेक्टर कार्यालय में लंबित पड़ी है। जिनके विरुद्ध बाउंड ओवर का प्रकरण समाप्त हो गया उनका ब्यौरा भी तैयार कर लिया। पुलिस का ड्रग माफियाओं के विरुद्ध बड़े स्तर पर अभियान शुरू होगा। एक हेल्पलाइन नबंर जारी किया जाएगा जिस पर वॉट्सएप के माध्यम से भी सूचना दे सकते हैं। सूचना देने वालों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। मिश्र के मुताबिक बैठक में महिला अपराधों को लेकर भी संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। उन्होंने जेल रिहाई और चेन लूट-चोरी व अड़ीबाजी में लिप्त अपराधियों का मुल्यांकन कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान डीडीपी राजेंद्रसिंह तोमर और बीजी शर्मा ने सीआरपीसी के तहत मिलें अधिकारों को लेकर प्रशिक्षण दिया। हालांकि अभी तक यह स्थिति स्पष्ट नहीं हुई कि किस अधिकारी को क्या कार्रवाई की पात्रता है।

- सार्वजनिक स्थानों पर नंबर लिखें अफसर, ड्रग माफियाओं पर कार्रवाई करें, हेल्प लाइन पर वॉट्सएप कर दें सूचना, जेल से छुटे अपराधियों को जांचे, जिलाबदर बदमाशों की लोकेशन देखें, बाउंड ओवर की कार्रवाई करें। चालान से ज्यादा यातायात सुधार पर ध्यान दें अफसर। संगठित और साइबर अपराधियों की कुंडली बनाएं ट्रेफिक सुधार के लिए प्रमुख चौराहों पर सिंक्रोनाइजर की संभावना तलासी, जनता से सभ्यता से पेश आए पुलिस, सीपी मिश्र ने पूछताछ, चेकिंग के दौरान जनता से सभ्यता से पेश आने का सुझाव दिया। यह भी कहा कि इंटरनेट मीडिया का दौर है। आम व्यक्ति भी वीडियो बना कर वायरल कर देता है। पुलिसकर्मी सभ्यता से पेश आऐं। कार्रवाई के दौरान स्वमं भी वीडियो बनाऐं।

नया सेटअप

डीसीपी जोन-1 मल्हारगंज में यह्लातायात थाने में बैठेंगे, डीसीपी जोन-2 पलासिया कंट्रोल रुम, डीसीपी जोन-3 पलासिया, डीसीपी जोन-4 महूनाका

नए कॉल साइन
पुलिस कमिश्नर- अल्फा
एडिशनल पुलिस कमिश्नर - डेल्टा
डीसीपी- विक्टर
एडिशनल डीसीपी - माइक
एसीपी - चार्ली
टीआइ - पीटर

ट्रैफिक और पूर्वी-पश्चिम में भेजे 100 सिपाही

सीपी ने पुलिस मुख्यालय से 1500 पुलिसकर्मियों की मांग की है। उन्होंने बटालियन व पीटीसी में तैनात बल जिला पुलिस को मुहैया कराने का प्रस्ताव भेजा है। हालांकि रविवार को 50 सिपाही ट्रैफिक और 50 पूर्व व पश्चिम जिले को आवंटित हो गए। यह पुलिसकर्मी अभी तक आइजी रिजर्व बल के रूप में काम कर रहे थे। सीपी के मुताबिक अभी तक एडिशनल सीपी, डीपीसी, एसीपी स्तर के अफसरों की कमी है।

हाईटेक चेकिंग

शनिवार रात विजय नगर थाना पुलिस ने प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया। टीआइ तहजीब काजी ने पहले भागने के संभावित रास्तों पर जवान तेनात किए और चौराहों पर बैरिकेड लगा दिए। इस दौरान ड्रोन कैमरों से निगरानी भी चलती रही। एडिशनल डीसीपी राजेश रघुवंशी के मुताबिक कई बार संदिग्ध पुलिस को देख कर दूर से ही फरार हो जाते है। पुलिस अब नाकाबंदी कर औचक चेकिंग करेगी।

राजधानी की रंजना, सोनम और संदीप ने जीता क्रास कंट्री दौड़ में स्वर्ण पदक

भोपाल । 56वी मध्य प्रदेश अंतर जिला क्रास कंट्री प्रतियोगिता बैतूल जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वाधान में बैतूल में आयोजित हो गई। अंडर बालिका वर्ग में 20 रंजना देवी, अंडर अंडर18 बालक वर्ग में संदीप कुमार तथा अंडर 16 में सोनम परमार ने स्वर्ण पदक जीते। रविवार को बैतूल में विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबले आयोजित हुए। पुरुष वर्ग में जबलपुर कारपोरेशन उत्तम चंद विजेता व हरजोत वीर सिंह दूसरे व देवास के नवीन चौहान तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में देवास कारपोरेशन के मनीषा विजेता व मुरैना की ज्योति चौहान उपविजेता व मंडला की वर्षा टेकाम तीसरे स्थान पर रहीं। बालक 20 वर्ष आयु समूह में सीहोर के विष्णु वर्मा पहले, भोपाल कारपोरेशन के गुरमित सिंह दूसरे व भोपाल जिला की विनीत यादव तीसरे स्थान पर रही। बालिका अंडर20 वर्ष में भोपाल की रंजना देवी पटेल विजेता व संध्या उपविजेता रही। तीसरा स्थान छिंदवाड़ा की निधि बावरिया ने पाया।

धनपुरी बीट अंतर्गत बंगवार जंगल टूट में तब्दील होती नजर आ रही है

वन अमले की लापरवाही के चलते जंगल हो रहे वीरान

धनपुरी। जिले के विभिन्न नदी नालों में खनिज विभाग द्वारा आवंटित रेत खदानों के अलावा वन क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन एक लंबे अरसे से जारी है। प्रतिबंधित क्षेत्र होने के कारण जंगल स्थित विभिन्न नालों वह नदियों से निकलने वाली रेत के एवज में वन माफियाओं के साथ ही विभागीय मैदानी अमले की भी अच्छी खासी कमाई हो रही है। जंगल से निकलने वाली रेत यानी बालू की कमाई ने वन कर्मियों को इतना दयालु बना दिया है कि वह अपने निर्धारित क्षेत्र में नजर घुमाने से भी परहेज करते हैं, परिणाम स्वरूप वन संपदा विशेषकर लकड़ी का अवैध कारोबार करने वाले वन माफियाओं को अभयदान मिल गया है। विभागीय अमले की दयालुता का ही नतीजा है कि बेम्हौरी-धनपुरी बीट अंतर्गत बंगवार के जंगल में पेड़ों की बजाए ठूंठ ज्यादा नजर आ रहे हैं।

कभी होती थी सघन जंगल

कोयला नगरी धनपुरी एवं वेम्हौरी,बंगवार लगे गावो के रहवासियों की बातों पर यकीन किया जाए तो हाल के कुछ वर्षो में बड़े पैमाने पर जंगल के हरे वृक्षों का विनाश हुआ है। जहां कभी हरे भरे पेड़ पौधे और हरियाली देखी जाती थी वहां अब पेड़ों के ठूंठ और वीरांगी का नजारा आम है। वन विभाग द्वारा किसी को भी जंगल के हरे पेड़ों को काटने की अनुमति दिए जाने का सवाल ही नहीं उठता है ऐसे हालात में इस जंगल के पेड़ों को जमीन निकल रही है आसमान इसका अनुमान लगाना शायद किसी के लिए भी कठिन नहीं है। बड़ी तेजी के साथ हो रहे हरे वृक्षों के विनाश से चिंतित ग्रामीणों द्वारा इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारी कर्मचारियों का ध्यान आकृष्ट कराया जाता रहा है लेकिन निहित स्वार्थ अथवा माफियाओं द्वारा निर्मित आर्थिक राजनीतिक दबावों के चलते वन क्षेत्र की सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता ही महसूस नहीं की गई है।

विभागीय अमला लगा रहे है पतीला

जल जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ ही इनसे जन सामान्य को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने की दिशा में केंद्र व राज्य शासन द्वारा नित नई योजनाएं लागू कर करोड़ों रुपए की राशि व्यय की जा रही है लेकिन मैदानी अमले के निकम्मे पन के चलते शासकीय योजनाओं को सरेआम पलीता लग रहा है। हाल के कुछ वर्षों में जिस तेजी के साथ जंगल के पेड़ों की अवैध कटाई हुई है उसने विभागीय मैदानी अमले के साथ ही अधिकारियों की कर्मठता और अधीनस्थ हमले पर नियंत्रण पर सवालिया निशान लगा कर रख दिया है।

जंगल का मिट जाएगा नामोनिशान

यदि समय रहते धनपुरी, बम्होरी वीट सहित समूचे कोयलांचल क्षेत्र के जंगली एरिया की सुरक्षा पर वन विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया और मैदानी अमले को कर्तव्य परायणता का पाठ नहीं पढ़ाया गया तो निकट भविष्य में सोहागपुर कोयला जल से जंगलों का नामोनिशान मिट कर रह जाएगा। स्थानीय ग्रामीण नागरिक को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने वन क्षेत्र के लगातार संरक्षरण पर चिंता जताते हुए तत्काल समुचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

रानीकमलापति-अगरतला-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि में विस्तार

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेल से चलने वाली स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति-अगरतला-कमलापति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के चलने की अवधि को ब?ाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित दिन, ठहराव, समय-सारिणी और कोच कम्पोजीशन यथावत रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना से होते हुए गंतव्य को जाएगी।* ब?ी हुई अवधि की विस्तृत जानकारी निम्न है । *गा?ी संख्या 01665/01666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन--गा?ी संख्या 01665 रानी कमलापति से अगरतला स्पेशल ट्रेन साप्ताहिक (गुरुवार) दिनाँक 06 जनवरी 2022 से 31 मार्च 2022 तक और वापसी में गा?ी संख्या 01666 अगरतला से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन साप्ताहिक (रविवार) दिनाँक 09 जनवरी 2022 से 03 अप्रैल 2022 तक के लिए चलाने का निर्णय लिया गया है।

जिला बनने तक जारी रहेगा आंदोलन

पूर्व विधायक, पूर्वं नपा अध्यक्ष पहुँचे जिला की बैठक में

सिहोरा-सिहोरा को जिला बनाए जाने के लिए जारी संघर्ष में आज भाजपा के पूर्व विधायक दिलीप दुबे सहित अनेक संगठन से जु? पदाधिकारी पहुचे।लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति सिहोरा ने रविवार को सत्ता पक्ष के समस्त पदाधिकारी और विधायक सांसद को एक साथ हो जिला की रणनीति बनाने हेतु एक बैठक में आने का आमंत्रण दिया था। बैठक में न तो सिहोरा विधायक पहुंची न ही उनके द्वारा कोई संदेश ही पहुंचा जिससे आयोजको में निराशा और आक्रोश का मिला जुला रूप देखने को मिला।

ये पहुँचे बैठक में

लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की बैठक में पूर्व विधायक दिलीप दुबे,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे ,वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल जैन,सत्य प्रकाश खरे,सुनील जैन,विभोर जायसवाल,अनिल जैन,शारदा तिवारी और ऑटो चालक संघ सिहोरा ने पहुँचकर सिहोरा जिला की मांग को आम जनभावना बताते हुए मुख्यमंत्री से सिहोरा को जिला बनाने की मांग की।

जारी रहेगा जिला आंदोलन

समिति के विकास दुबे,सियोल जैन,मानस तिवारी आदि ने कहा कि उन्हें अपेक्षा थी कि यदि सभी जनप्रतिनिधि एक साथ बैठेंगे तो कोई हल निकलेगा।जिसमे वे सफल हुए।विधायक सहित जो जनप्रतिनिधि नही आ सके उन्हें पुनः आमंत्रित किया जाएगा। आज की बैठक में अनिल जैन,नागेंद्र कुररिया,राजभान मिश्रा,कृष्ण कुमार कुररिया,अमित बक्शी,शंकर लाल राय, मामा कुररिया,नरेंद्र गर्ग,सुखदेव कौरव,सचिन पांडे,सेंकी जैन,पवन तिवारी सहित सैक?ों सिहोरा वासी मौजूद रहे।

अनूपपुर नगर पालिका क्षेत्र में कचरे का अंबार

शहडोल द्यअनूपपुर जिले के मुख्यालय की नगरपालिका की कार्यप्रणाली है इसके अनूपपुर नगरपालिका को कचरा पसंद है जिले की सभी प्रमुख्य स?को पर कचरे का ढेर है और ये तब है जब जिले नगरपालिका की प्रशाशक स्वयं जिला कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा है एक समय 2018 में जिले के जिस नगरपालिका को तत्कालीन नगरीय प्रशासन मंत्री माया सिंह ने सम्मानित किया था स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य के लिए वही नगरपालिका आज ओडीएफ के किसी भी श्रेणी में भी अपनी जगह नही बना पाई स्वच्छता सर्वेक्षण में इस वर्ष अनूपपुर नगरपालिका का नंबर ही नही लगा पिछले 5 माह से अनूपपुर नगर पालिका अपने स्थाई मुख्य नगरपालिका अधिकारी के इंतजार में है लेकिन राजनीतिक रूप से सक्षम इस जिला मुख्यालय के नगर पालिका में 5 महीने से क्यों नहीं है इसका जवाब किसी के पास नही हैद्य नगर पालिका के अंतर्गत कई वार्डो में कचरे का अंबार लगा हुआ है और वार्ड वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैद्य एक और प्रशासन द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत नुक्कड़ सभाएं वॉल राइटिंग एवं प्रचार प्रसार में भी काफी राशि खर्च की जाती ह।

संतोष मिश्रा का निधन

सिहोरा - हमेशा धार्मिक, समाजिक कार्यों में सहयोग देने वाले खितौला वार्ड नंबर 16 निवासी संतोष मिश्रा (बम्बईया) का 55 शाल की उम्र में निधन हो गया।अंतिम संस्कार खितौला स्थित हिरन नदी श्मशान घाट में किया गया।

पूर्वं विधायक रानी दुबे का निधन

सिहोरा - गढिया मोहल्ला निवासी पूर्वं विधायक श्रीमती रानी दुबे का 81 शाल की उम्र में निधन हो गया । अंतिम संस्कार कुर्रो रोड स्थित मुक्ति धाम में किया गया। वे पंकज,नीरज दुबे की माता जी थी एंव 1990 में बहोरीबंद से भाजपा की विधायक चुनी गई थी।

भव्य कलश यात्रा हेतु बैठक आयोजित

सिहोरा - नगर में आगामी समय में आयोजित होने वाले गायत्री महायज्ञ की कलश यात्रा के संबध में यज्ञ स्थल बाबाताल शिवमंदिर में बैठक संपन्न हुई। इस बार 251 कलशो की दिव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी । शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वधान में संपन्न होने जा रहे यज्ञ में जबलपुर शक्तिपीठ से आई बहनों ने यज्ञ की सफलता हेतु साधना करने की सलाह दी जैसे कि घर घर में गायत्री मंत्र लेखन,माला जप,सूर्य ध्यान ,गायत्री चालीसा पाठ आदि।गायत्री यज्ञ का उद्देश्य सुधरे व्यक्ति और परिवार- तभी बनेगा देश महान है। इस यज्ञ में सभी से सहभागिता की अपील की गई है। आज बैठक में प्रमुख रूप कविता मिश्रा ,राम शंकर तिवारी,प्रमेंद्र, सावित्री शक्तिपीठ जबलपुर, एन के गर्ग अध्यक्ष गायत्री परिवार सिहोरा, श्रीमती विमलेश खम्परिया, सीमा मिश्रा, अनुसुइया तिवारी,ज्योति ,ममता सेन,भावना गौतम, सुनीता पांडे,कढोरी लाल साहू,हरीश विश्वकर्मा,बलराम बर्मन,वीरेंद्र पाटकर,प्रदीप राय,ओमप्रकाश बर्मन, राम बर्मन, अनीता पटेल, नरेंद्र,आदर्श,रवि ठाकुर, ए के त्रिवेदी, राजेन्द्र प्रसाद दुबे,सीमा नामदेव, अन्जू यादव, विजय दाहिया,ओमप्रकाश बर्मन आदि उपस्थित थे ।

बाल मजदूरी पर स्टेशन में किया नुक्कड़ नाटक

जबलपुर यश भारत। अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक हेल्थ कवरेज दिवस के अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने आगाज इंटर्नशिप के अंतर्गत नुक्ड-नाटक एवं रैली के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश दिया गया इस अवसर पर जन जागरूकता रैली एवं बाल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

आगाज एवं युवा इंटरशिप÷ के अंतर्गत रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की मुक्त इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य रेलवे स्टेशन नंबर 1 जबलपुर में ÷बाल मजदूरी÷ विषय पर उक्त कार्यक्रम प्रस्तुत किया। 12 दिसंबर 2021 अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक हेल्थ कवरेज दिवस के उपलक्ष्य में हर बच्चे के लिए वित्तीय कठिनाई का सामना किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच एवं बाल मजदूरी जैसे अभिशाप से मुक्त कराने के उद्देश्य को मद्देन?र रखते हुई राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ अशोक कुमार मराठे एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ देवांशु गौतम के मार्गदर्शन में एवं छवि त्रिपाठी मुख्य रेलवे स्टेशन जबलपुर में बाल मजदूरी उन्मूलन के विषय में बाल मजदूरी विषयक रैली एवं नुक्क? नाटक के मंचन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल अरुण त्रिपाठी जबलपुर एवं विशिष्ठ अतिथि थाना प्रभारी मोहम्मद इ?बाल मंसूरी एवं निरिक्षक सुनील कुमार नेमा की गरिमामयी उपस्थिति रही थी7 पुलिस विभाग से प्रवीण तिवारी, अजय श्रीवास्तव, कृष्णकांत तिवारी मोहन लाल रजक रेलवे पुलिस जबलपुर में सहयोग दिया है7

नुक्कड-नाटक में बाल-संरक्षण नंबर 1098 की उपयोगिता,चाइल्ड लेबर एक्ट 1986 के तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे से कार्य करवाना दंडनीय अपराध माना गया है, इसकी उपयोगिता बताई गयी है।

इनकी रही सराहनीय उपस्थिति

कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक मोहम्मद हसनैन बेग,छवि त्रिपाठी,दीपेश सोनी, संजोली गरेवाल,प्रतिमा सिंह, रीतिका साहू,कृतिका सिंह राजपूत ,बिनायक घोषाल,मोहित तिवारी ,ज्योति जायसवाल,वसुंधरा यादव,नंदिनी सेन,निखिल कुमार गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता की रही।

कलेक्टर ने महाविद्यालयीन आदिवासी कन्या छात्रावास शहडोल का किया निरीक्षण

शहडोल - कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने आज महाविद्यालयीन आदिवासी कन्या छात्रावास शहडोल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास परिसर को साफ एवं स्वच्छ रखने के निर्देश देते हुए कहा कि परिसर में वृक्षारोपण करें तथा विभिन्न प्रकार के सुंदर फूल लगाएं जिससे छात्रावास परिसर अच्छा एवं सुंदर दिखे। इस दौरान कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षक से छात्रावास में रह रहे छात्रों के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनके भोजन, खेलकूद, शिक्षा इत्यादि की जानकारी ली। कलेक्टर ने रसोई घर में बन रहे भोजन का भी निरीक्षण किया तथा छात्रों को गुणवत्तायुक्त भोजन मुहैया कराने के निर्देश छात्रावास अधीक्षक को दिए। कलेक्टर ने छात्रावास में बेहतर साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में रह रहे छात्रों से छात्रावास की सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं से बात करते हुए पूछा कि उन्हें किसी प्रकार की समस्या तो नहीं है तथा छात्रावास अधीक्षक एवं अन्य लोगों का व्यवहार कैसा है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अपने परिवेश को साफ व स्वच्छ रखें तथा बदलते समय के साथ तकनीक का संयमित उपयोग करें, जिससे आपको अच्छी शिक्षा मिले और कुछ नया सीख पाए। कलेक्टर ने छात्राओं से कहा कि कोई भी बात अभिभावक व शिक्षकों से न छुपाएं तथा किसी के व्यवहार व आचरण से कोई परेशानी हो तो मुझे स्वयं एवं छात्रावास अधीक्षक को तत्काल अवगत कराएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने डीपीसी एवं छात्रावास अधीक्षक को निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं से शालीनतापूर्ण व्यवहार करें तथा उन्हें शिक्षा अनुकूल माहौल प्रदान करें ताकि जीवन में कुछ बेहतर करने की दिशा में अग्रसर हों।

जमुना कॉलरी में सट्टे का कारोबार जोरों पर, भालूमाड़ा पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही

जमुना।थाना भालूमाड़ा के जमुना कॉलरी में इन दिनों अवैध सट्टे का कारोबार जोरों पर चल रहा है यहां तक कि गली मोहल्ले चौराहे पान ठेले किराना दुकान आदि पर सट्टा की पर्ची खुलेआम काटी जा रही है जिसे देखने और सुनने वाला कोई नहीं है। एक लगाओ 90 पाओ के चक्कर में कई युवा बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं यहां तक की इस सट्टे में बर्बाद होकर कई घर के लोगों ने अपनी जीवन लीला तक समाप्त कर ली है। वर्तमान समय में 5 से अधिक लोग सट्टा का कारोबार हाईटेक तरीके से चल रहे है यहां तक की पर्ची काटे जाने के अलावा मैसेज फोन व्हाट्सएप पर भी सट्टा का नंबर लिया जा रहा है। अगर सट्टे के इस कारोबार पर पुलिस द्वारा अंकुश नहीं लगाया गया तो वह दिन अब दूर नहीं जब लोग अपना सारा पैसा सट्टा में गवा कर मजबूरी में युवा वर्ग गलत रास्ते पर जा सकती है। क्षेत्र की जनता ने तेजतर्रार थाना प्रभारी से मांग किया है कि वह जमुना कालरी में चल रहे देखो सट्टे के कारोबार पर छापामार कार्यवाही कर इस पर अंकुश लगाए जाने की कार्यवाही करें। साथ ही इसमें संलिप्त लोगों को सलाखों के पीछे डालें तब जमुना कॉलरी की जनता अमन चैन की जिंदगी गुजर बसर कर सकती है।

स्व. सुजान सिंह की स्मृति में भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई व्याख्यानमाला

नरसिंहपुर यभाप्र। भाजपा जिला कार्यालय में स्व. सुजान सिंह पटेल पूर्व राज्यमंत्री एवं हाल ही में हेलीकाप्टर क्रेश दुर्घटना में निधन हुए सी.डी.एस स्व. विपिन रावत तथा उनकी पत्नि एवं 11 सैनिको की पुण्य स्मृति में राज्यसभा सांसद कैलाष सोनी, होंशगाबाद सांसद राव उदय प्रताप सिंह, विधायक जालम सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा तथा आंमत्रित अतिथि वरिष्ठ नेता धीरसिंह, नरेश पाठक, विश्वनाथ सिंह पटेल, महंत प्रीतमपुरी, अवधेष प्रताप पटेल, इंजी. प्रताप पटेल की उपस्थिति व्याख्यान माला आयोजित की गई ।

मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने व्याख्यान माला को संबोधित करते हुये कहा कि हमारे देश का केन्द्र बिन्दु गांव से शुरू होता है किसान देश की आर्थिक धुरी है किसानों के उत्थान तथा प्रत्येक गांव को समृद्ध बनाने प्रदेश तथा केन्द्र सरकार के द्वारा ताकत से कार्य किये जा रहे है, देश की पहली सरकार भाजपा है जो किसानों के खाते में केन्द्र से 6 हजार एवं राज्य से 4 हजार कुल राशि 10 हजार सहयोग निधि के रूप में दी जा रही है देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा जो निर्णय लिये गये नोट बंदी से आंतकवाद पर विराम लगा भ्रष्टाचार के खिलाफ सराहनीय निर्णय जनधन खाते खुलवाना दूरगामी सोच के कारण संभव हो सका हिन्दुस्तान की आत्मा जनता जनार्दन है मोदी भाषण नहीं एक आचरण है स्व. सुजान सिंह जी का छोटे से गांव में जन्म हुआ मंत्री पद पर रहते हुये सर्किट हाऊस में रूकने पर भोजन के पैसों का भुगतान किया करते थे ईमानदार कर्तव्य के प्रति निष्ठावान व्यक्तित्व उनका आचरण था। होंशगाबाद सांसद राव उदय प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य शिक्षा सड़क एवं पेयजल योजना पर प्रकाश डालते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़का का निर्माण कर गांव को शहर के रूप में परिवर्तित किया आगामी दो वर्षो में गांव के प्रत्येक घर को पेयजल उपलब्ध होगा तेजी से कार्य प्रांरभ है । नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल ने अपने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओ को पार्टी द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करते हुये पार्टी हित में कार्य करने की बात की उक्त अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मुख्य वक्ताओ के द्वारा जिले के समस्त कार्यकर्ताओ को अपने अपने क्षेत्र में अपने दायित्व का निर्वाहन करने तथा आगामी चुनाव में प्रबंधन समिति द्वारा लिये गये निर्णय का पालन करना होगा। मंच संचालन जिला महामंत्री डॉ. हरगोविद पटेल द्वारा किया गया । उक्त अवसर पर जिला महामंत्री ठा.राजीव सिंह, नंदकिशोर ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष हरिप्रताप ममार, संतोष पटेल, विनीत नेमा, जिला कोषाध्यक्ष नीलकमल जैन, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एन.सी.सी केम्प सी.ए.टी.सी. तृतीय एवं पंचम का आयोजन

नरसिंहपुर यभाप्र। एम.पी. बटालियन एन.सी.सी जबलपुर अन्तर्गत जिला नरसिंहपुर के एन.सी.सी. केडिट्स के संयुक्त वार्षिक शिविर तृतीय एवं पंचम का आयोजन एम.आई.एम.टी. कालेज नरसिंहपुर में केम्प कमाण्डेन्ट कर्नल अमित गुप्ता के मार्गदर्शन में 11 दिसम्बर से 17 दिसम्बर 2021 तक किया जा रहा हैं।

इस शिविर में नरसिंहपुर, करेली एवं गोटेगांव के सीनियर डिविजन एवं सीनियर बिंग के केडिट्स भाग ले रहे है। केम्प के दौरान कोविड 19 की समस्त गाईड लाईन का पालन किया जा रहा है। केम्प के द्वितीय दिवस डिप्टी केम्प कमाण्डेन्ट ले.कर्नल संजय सिंह एडम आफिसर 1 एम.पी बटालियन एन.सी.सी.जबलपुर की उपस्थिति में ओपनिगं एड्रेस के साथ षिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया जिसमें डिप्टी केम्प कमाण्डेन्ट में षिविर के उद्धेष्य, प्रषिक्षण और प्रशासन संबंधी आवष्यक दिशा निर्देष प्रदान किये। इसके पूर्व सी.डी.एस जनरल विपिन रावत एवं श्रीमती मधुलिका रावत सहित सभी ब्रेव हार्ट्स सैन्य अधिकारी और जवानों को पुष्पाजंली देते हुए उनकी आत्म शांति हेतु दो मिनिट की मौन श्रद्धांजली का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि इंजी. रूद्रेष तिवारी चेयरमेन एम.आई.एम.टी. कालेज नरसिंहपुर ने एन.सी.सी केडिट्स को प्रोत्साहित करते हुए ज्यादा से ज्यादा सीखने कि बात पर बल देते हुए शिविर के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। उल्लेखनीय है कि उक्त केम्प में बी एवं सी सर्टिफिकेट की परीक्षा की तैयारी के लिये ड्रिल , मैप रीडिंग, हथियार खोलना जोड़ना, फील्ड क्राफ्ट वेटल क्राफ्ट, विषय पर क्लासेस चलाई गयी । केम्प में एम.आई.एम.टी के प्राचार्य डॉ. आशोक कुमार गर्ग द्वारा विजिट की गई। केम्प टेऊनिंग ऑफिसर मेजर पराग नेमा की जारी विज्ञाप्ति के अनुसार ले.कर्नल संजय सिंह को गार्ड ऑफ आनर एन.सी.सी केडिट्स द्वारा दिया गया। केम्प के संचालन में कैप्टन बी.डी. कोष्टी, ले. अंषुल नेमा, केयर टेकर ऑफिसर द्वय डॉ. राजेश ठाकुर, जितेन्द्र मिश्रा, सुबेदार मेजर करन सिंह, सुबेदार आर. डी. यादव, सुबेदार राघबेन्द्र सिंह, नायब सुबेदार संजय सिंह सहित पी.आई, सिविल स्टॉफ जिला एवं पुलिस प्रशासन नपा सहित जिला चिकित्सालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दो मिनिट मौन रख दी गई शहीदों को श्रद्धांजलि

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिवस तमिलनाडु के कुन्नूर के पास भारतीय वायुसेना के एम आई हेलीकॉप्टर के दुर्घटना ग्रस्त होने के चलते देश के महान सेना नायक सीडीएस जनरल विपिन रावत उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधुलिका रावत सहित 13 जवान शहीद हो जाने पर संत मोनी महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एवं टू एम पी बालिका बटालियन की छात्राओं द्वारा दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हें सामूहिक श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही इस मौके पर विद्यालय के व्यवस्थापक चंद्रभूषण पाठक, प्रध्यापक सीताराम रैकवार, अरविंद शुक्ला, राकेश उपाध्याय, नितिन सोनी, संतोष पटेल, एनसीसी अधिकारी ले. रोमी मालवीय एन एस एस अधिकारी अरूणा जैन आनंद कौरव सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थी।

सड़क नाली की सुविधाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा यभाप्र। विगत दिवस वार्ड क्रमांक 13 सरदार बल्लभ भाई पटेल के अंतर्गत पटवारी हल्का नं. 2 खसरा नं 130 के अंतर्गत कृषि भूमि को बगैर डायवर्सन कर प्लॉट कांट कर स्वयं के द्वारा नक्शा बनाकर सड़क नाली का उल्लेख कर पूर्व में रहवासियों के लिये कालोनी का रूप देकर भूमि की रजिस्ट्री कर दी गई थी। लेकिन लंबा समय बीत जाने के उपरांत जब उपभोक्ताओं को सुविधाएं नहीं मिली तो उनके द्वारा एक ज्ञापन एसडीएम कार्यालय तेंदूखेड़ा में जाकर सौंपा गया है। जिसमें तत्काल प्रभाव से सड़क एवं नाली की व्यवस्था किये जाने की मांग की गई है। वहीं पन्द्रह फुट की सड़क के लिये छोड़ी गई जमीन भी अब विक्रय की जा रही है।

शाला स्तर पर विज्ञान मेलों का आयोजन 14 दिसम्बर को

गाडरवारा यभाप्र। जादू नही विज्ञान है समझना समझाना आसान कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कुलो में 14 दिसंबर को विद्यालय स्तर पर विज्ञान मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 दिसंबर को स्कूल के विज्ञान शिक्षक गतिविधि अंतर्गत विज्ञान के चमत्कार एवं प्रयोग बच्चों को करके दिखाएंगे एवं छात्रो के दल बनाकर उन्हें सहभागिता कराते हुए गतिविधि आधारित प्रश्नमंच एवं नाटिका के भी आयोजन कराएंगे। आयोजन उपरांत संस्था स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रध्छात्रा का चयन करेंगे जो 16 दिसम्बर को विकासखण्ड स्तर पर आयोजित विज्ञान मेले में सहभागिता करेंगे।

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई

नरसिंहपुर यभाप्र। त्रि-स्तरीय पंचायतों आम निर्वाचन 2021-22 के पारदर्शिता और निष्पक्षता से सम्पन्न कराने को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन रोहित सिंह की अध्यक्षता में रविवार को स्टेंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, मैथिलीशरण तिवारी सहित राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर मनोज कुमार ठाकुर ने मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम अभ्यर्थियों के लिए आदर्श आचरण संहिता में उल्लेखित आचरण और नाम निर्देशन की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे मे राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को विस्तार में जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि नरसिंहपुर जिले के सभी 6 विकासखंडों नरसिंहपुर, गोटेगांव, करेली, चांवरपाठा, बाबई चीचली एवं सांईखेड़ा के मतदान केन्द्रों पर मतदान दूसरे चरण में शुक्रवार 28 जनवरी 2022 को होगा। मतदान सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच और सरपंच के लिए मतदान मतपत्र मतपेटी से और जिला एवं जनपद सदस्य के लिए मतदान ईवीएम द्वारा कराया जायेगा। पंच और सरपंच पद के लिए मतगणना, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतदान केन्द्र में ही की जाएगी। जिला एवं जनपद पंचायत सदस्य के मतों की गणना विकासखंड मुख्यालय पर होगी। निर्वाचन की घोषणा के साथ ही संबंधित क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता भी प्रभावशील हो गई है, जो निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि तक प्रभावशील रहेगी। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य सोमवार 13 दिसम्बर 2021 को प्रातः 10.30 बजे शुरू होगा। इसी दिन स्थानों सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना और मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन भी किया जाएगा। नाम निर्देशन पत्र सोमवार 20 दिसम्बर तक प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक प्राप्त किए जायेंगे। नाम निर्देशन पत्र के साथ जिला पंचायत सदस्य के अभ्यर्थी को 8 हजार रुपए, जनपद पंचायत सदस्य के अभ्यर्थी को 4 हजार रुपए, सरपंच पद के अभ्यर्थी को 2 हजार रुपए एवं पंच पद के अभ्यर्थी को 400 रुपए निक्षेप राशि जमा करना होगी।

हरनाज संधू बनीं मिस यूनिवर्स

21 साल बाद इंडियन ब्यूटी को मिला खिताब

मिस यूनिवर्स 2021 का ताज भारत की हरनाज संधू को मिला है। 70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट इस साल 12 दिसंबर को इजराइल में हुआ। इस प्रतियोगिता के प्रीलिमिनरी स्टेज में 75 से ज्यादा खूबसूरत और प्रतिभाशाली महिलाओं ने भाग लिया था लेकिन टॉप 3 में तीन देशों की महिलाओं ने जगह बनाई इसमें से एक भारत की हरनाज संधू भी रहीं। हालांकि दोनों साउथ अफ्रीका और पराग्वे को पीछे छोड़ते हुए भारत की हरनाज संधू ने ब्रह्माण्ड सुंदरी का ताज अपने नाम कर लिया। संधू की ताजपोशी इस कार्यक्रम में मेक्सिको की पूर्व मिस यूनिवर्स 2020 एंड्रिया मेजा ने की। इस समारोह का हिस्सा बनने भारत से दिया मिर्जा भी पहुंचीं। उर्वशी रौतेला ने इस बार 2021 के कॉन्टेस्ट को जज किया।

सभी टॉप तीन प्रतियोगियों से सवाल पूछा गया था कि आप दबाव का सामना कर रहीं महिलाओं को क्या सलाह देंगी? इसपर हरनाज संधू ने जवाब दिया, आपको यह मानना होगा कि आप अद्वितीय हैं और यही आपको खूबसूरत बनाती है। बाहर आएं, अपने लिए बोलना सीखें क्योंकि आप अपने जीवन के नेता हैं। इस जवाब के साथ ही हरनाज संधू से इस साल का मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब अपने नाम कर लिया।

कौन हैं हरनाज

पंजाब के चंडीगढ़ की रहने वाली हरनाज संधू पेशे से एक मॉडल हैं। 21 साल की हरनाज ने मॉडलिंग व कई पेजेंट में हिस्सा लेने और जीत हासिल करने के बावजूद भी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया। हरनाज ने साल 2017 में मिस चंड़ीगढ़ का खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने मिस मैक्स इमर्जिंग स्टार इंडिया का खिताब अपने नाम किया। ये दो प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम करने के बाद हरनाज ने मिस इंडिया 2019 में हिस्सा लिया और तब वह टॉप 12 तक पहुंची थीं। मॉडलिंग के साथ-साथ हरनाज एक्टिंग में भी कदम रख चुकी हैं। हरनाज के पास दो पंजाबी फिल्म 'यारा दियां पू बारां' और 'बाई जी कुट्टंगे' हैं।

मिस यूनिवर्स 2021 के दौरान स्विमसूट से लेकर नेशनल कॉस्ट्यूम सेशन तक में हरना? ने अपनी खूबसूरती से सभी को प्रभावित किया था।

टॉप 3 में रहीं हसीनाएं

हरनाज कौर संधू पहले स्थान पर रहीं
मिस पराग्वे दूसरे नंबर पर रहीं
मिस साउथ अफ्रीका तीसरे स्थान पर रहीं

भारत को दो बार मिल चुकी है सफलता

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत ने दो बार अपनी जगह बनाई है। हरनाज भारत की तीसरी मिस यूनिवर्स हैं। साल 1994 में सुष्मिता सेन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था, वह उन्होंने इस ताज को हासिल किया था। वहीं, साल 2000 में लारा दत्ता ने इस ताज पर अपना नाम दर्ज किया था।

विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट जीतते ही रचेंगे इतिहास

न्यूजीलैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज करने के बाद अब टीम इंडिया का इरादा दक्षिण अफ्रीका में सीरीज फतह करने का है। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका में आज तक टेस्ट श्रृंखला जीतने में नाकाम रही है। लेकिन इस बार विराट कोहली अपनी कप्तानी में इतिहास रचना चाहेंगे। भारत इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। जिसका पहला मुकाबला 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होगा। यह मैच विराट कोहली के लिए खास है। अगर वह यह मुकाबला जीतने में सफल रहे तो विराट दो बॉक्सिंग डे टेस्ट जीतने वाले भारत के पहले कप्तान बन जाएंगे।

यह रिकॉर्ड बनाने वाले होंगे पहले भारतीय कप्तान

2018 में जीता था बॉक्सिंग डे टेस्ट

विराट कोहली अपनी कप्तानी में तीन साल पहले बॉक्सिंग डे टेस्ट जीत चुके हैं। उन्होंने 26 दिसंबर 2018 को मेलबर्न में खेले गए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारत को 137 रनं से जिताया था। टीम इंडिया को यह मुकाबला जिताने में जसप्रीत बुमराह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में छह और दूसरी इनिंग्स में तीन विकेट लिए थे। इस तरह उन्होंने मैच में नौ विकेट लिए। बुमराह को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया था। भारतीय टीम ने इसी दौरे पर ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने का इतिहास रचा था।

दक्षिण अफ्रीका में पहली जीत का इंतजार

भारतीय टीम अब तक इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों के खिलाफ उनकी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज कर चुकी है। लेकिन टीम इंडिया अभी तक साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने में नाकाम रही है। इस बार यह दौरा कप्तान विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ के लिए खास होने वाला है। विराट अपनी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की धरती पर टेस्ट जीत हासिल करना चाहेंगे।

'छोटी बहू' के नाम से मशहूर रुबीना दिलैक टीवी की टॉप अभिनेत्रियों में से हैं। 'बिग बॉस 14' का खिताब जीतने के बाद रुबीना और पॉपुलर हो गई हैं। उनके सीरियल की वजह से उन्हें कई अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है लेकिन एक बार ऐसा हुआ जब रुबीना को उम्मीद थी कि यह अवॉर्ड उन्हें मिलेगा लेकिन वह किसी और को दे दिया गया। इससे वह बेहद दुखी हुई थीं और शो के बीच से ही उठकर चली गई थीं। यही नहीं उसके बाद से वह किसी अवॉर्ड फंक्शन में नहीं जातीं।

अवॉर्ड नहीं मिलने पर फूट-फूटकर रोई थीं रुबीना दिलैक

कहा- 'शो छोड़कर बाथरूम की ओर दौड़ पड़ीं'

अवॉर्ड जीतने का था पूरा भरोसा

रुबीना अवॉर्ड शो में शामिल होने के लिए काफी उत्साहित थीं। उन्होंने बताया कि वह नए आउटफिट खरीद कर लाई और कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने बालों को कर्ल कराया था। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में रुबीना कहती हैं, 'मेरा शो उस वक्त टॉप पर था। उसकी रेटिंग 5.7 थी। मुझे लग रहा था कि मैं बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीतने जा रही हूं। मेहनत किया, सब किया। इतना कॉन्फिडेंस आप में होता है कि आपको आखिरकार पता है।'

बाथरूम में जाकर खूब रोई

'मैं बैठी थी और नाम का ऐलान हुआ। मैं खुद को कंट्रोल नहीं कर पाई। फ्रंट रो से मैं बाथरूम की ओर भागी और रोने लगी। मैं खूब रोई। मुझे पता था कि यह मेरा है। दो दिन बाद मुझे पता चला वह अवॉर्ड किसी हीरो को दिया गया क्योंकि जो लड़की शो में मेरी बहन का किरदार निभा रही थी और वो हीरो, कुछ दिन बाद विक्रम फडनीस के फैशन शो में हिस्सा लेने दक्षिण अफ्रीका जा रहे थे।'

अवॉर्ड शो से किया किनारा

रुबीना आगे बताती हैं, 'तो यह बात थी कि आपके कला को एक ओर करके उन्हें भेजने का मकसद था। अवॉर्ड्स को बांट दिया गया जिससे दूसरे शोज का नाम भी उभरे। उस अवॉर्ड शो के बाद मैंने खुद से वादा किया कि अब किसी अवॉर्ड शो में नहीं जाऊंगी।'

कई हिट शोज में किया काम

रुबीना बताती हैं कि उसके बाद उन्होंने कभी किसी अवॉर्ड शो को अटेंड नहीं किया। बता दें कि रुबीना के मुख्य सीरियल में 'छोटी बहू', 'शक्ति- अस्तित्व के अहसास की', 'जैनी और जूजू' हैं। 'बिग बॉस' में उन्होंने अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ हिस्सा लिया था। उस वक्त दोनों के रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे। 'बिग बॉस' के बाद से रुबीना और अभिनव एक दूसरे को और अच्छी तरह समझने लगे और उनके बीच जो दूरियां आ गई थीं वह खत्म हो गईं।

जाह्नवी कपूर और सारा अली खान साथ में टैक्सी से हुए रवाना

यूजर ने कहा- 'पेट्रोल के दाम ने कहां ला दिया'

जाह्नवी कपूर और सारा अली खान ने लगभग एक साथ ही बॉलीवुड में एंट्री की थी। दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। घूमने से लेकर इवेंट तक में उन्हें साथ देखा गया है। बीते रविवार को मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में एपी ढिल्लन कॉन्सर्ट हुआ। जहां सारा और जाह्नवी के साथ इब्राहिम अली खान भी थे। कॉन्सर्ट के बाद तीनों बाहर निकले और टैक्सी से रवाना हुए। वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनके खूब मजे लिए। सारा और जाह्नवी जब टैक्सी में बैठे उस वक्त वहां मौजूद पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद कर लिया। सारा तो इससे पहले भी कई बार ऑटो से सफर करती दिखी हैं। कैमरा देखकर जाह्नवी अपना चेहरा छुपाती नजर आईं। वीडियो को फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। वीडियो पर यूजर्स ने मजेदार कमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा- %भीड़ होगी काफी, पार्क करने के लिए जगह नहीं मिली होगी इसलिए नहीं गए गाड़ी से।% एक यूजर ने कहा- हे भगवान, पेट्रोल के भाव से लोग कहां से कहां आ गए। कुछ ने इसे पब्लिसिटी स्टंट भी बताया।

शादी के बाद कुछ यूं सजधज कर निकलीं श्रद्धा आर्या

शादियों का सीजन जोरों पर है। जिससे मनोरंजन जगत भी बच नहीं सका है। बॉलीवुड की बड़ी शादियों में से एक विकी और कटरीना के साथ ही टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे भी ब्वॉयफेंड अंकित जैन के साथ सात फेरे लेने वाली हैं।

वहीं कुछ दिनों पहले छोटे पर्दे की एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या भी शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। दिल्ली में निजी समारोह में हुई शादी के बाद से श्रद्धा का लुक काफी इंप्रेसिव नजर आ रहा है। मंदिरों में दर्शन करने निकलीं श्रद्धा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की है। जिसमे लाल रंग की बनारसी साड़ी पहने वो मंदिरों की सीढियों पर बैठी हैं। गोल्डन रंग के बॉर्डर की साड़ी पहने श्रद्धा के चेहरे पर दुल्हन वाला नूर साफ नजर आ रहा है।

श्रद्धा ने लाल साड़ी के साथ सुर्ख लाल चूड़ियां पहन रखी है। वहीं मैचिंग की एक्सेसरीज उनके लुक में चार चांद लगा रही है। इसके साथ ही छोटे पर्दे की प्रीतो बहू ने पर्पल रंग के आउटफिट में भी तस्वीरें साझा की हैं।

गोटा पट्टी वर्क वाले आउटफिट के साथ श्रद्धा मंदिर में बैठी पोज दे रही हैं। दरअसल, पति के जन्मदिन के खास मौके पर श्रद्धा शूटिंग से समय निकालकर मां शारदा के दर्शन करने गई थीं। जहां पर वो किसी दुल्हन से कम नहीं लग रही थीं।

बता दें कि टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या ने पिछले महीने ही दिल्ली में ब्वॉयफेंड संग सात फेरे लिए हैं। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं। श्रद्धा आर्या के बाद अब एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे भी शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं।

स्वर्गीय घनश्याम नायक और कवि कुमार आजाद को याद कर भावुक हो गई तारक मेहता की कास्ट

तारक मेहता का उल्टा चश्मा की कास्ट हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति शो में पहुंची। जहां अमिताभ बच्चन के साथ जमकर मस्ती की। जब तारक मेहता की टीम केबीसी के सेट पर थीं। वहां उन्होंने स्वर्गीय घनश्याम नायक उर्फ नट्टू काका और कवि कुमार आजाद उर्फ डॉक्टर हाथी को याद किया।

दरअसल शो के प्रोड्यूसर असित मोदी और पोपटलाल उर्फ श्याम पाठक सबसे पहले गेम खेलने के लिए हॉट सीट पर बैठे थे। पोपटलाल ने अमिताभ बच्चन से अपने लिए लड़की ढूंढने की भी विनती की। उन्होंने बिग बी को अपना बायोडाटा भी दिया। इसके बाद तारक मेहता टीम ने शो से जुड़ी कुछ यादें शेयर की। खासतौर पर उन लोगों को याद किया जो इस दुनिया को छोड़कर चले गए हैं।

बाघा का किरदार निभाने वाले तन्मय वेकारिया ने घनश्याम नायक और कवि कुमार आजाद को याद किया। कहा, हम ये प्रार्थना करते हैं कि नट्टू काका और डॉक्टर हाथी जहां कहीं भी होंगे।

हमें देख रहे हैं और अपना आशीर्वाद दे रहे होंगे, ताकि हम ऑडियंस का मनोरंजन कर सके। शो आगे भी अच्छा चलता रहे।बबीता के पति मिस्टर अय्यर का रोल निभाने वाले तनुज महाशब्दे ने भी डॉक्टर हाथी और घनश्याम नायक को याद किया। पूरी कास्ट दोनों कलाकारों को याद करते हुए बेहद इमोशनल हो गई। इसके बाद प्रोड्यूसर असित मोदी बताते हैं कि हमने अपने मेकअप मैन आनंद भाई परमार को भी खो दिया। इसके अलावा प्रोडक्शन टीम को दो सदस्य का भी देहांत हो गया, जो पहले दिन से हमारे साथ जुड़े थे।

रांझी पुलिस ने गैंगरेप के दो दरिन्दों को दबोचा

11 साल की मासूम से बलात्कार

घर की छत से उठाकर ले जाकर दिया घटना को अंजाम

जबलपुर, यशभारत। रांझी में 11 साल की मासूम के साथ गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें दो आरोपियों ने बच्ची को घर की छत से उठाकर जबरन बलात्कार किया।

वारदात 7 दिसंबर की है। लेकिन घटना पता चलने के बाद परिजन डरे-सहमें रहे। इसके बाद परिजनों ने हिम्मत कर डायल-100 भोपाल को मामले की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। रांझी सीएसपी एमपी प्रजापति के मुताबिक साईधाम कॉलोनी क्षेत्र की रहने वाली 11 वर्षीय बालिका को सात दिसंबर को दोनों आरोपी घर से जबरन उठा ले गए थे। दोनों ने उस मासूम के साथ गैंगरेप किया। मासूम की हालत देख परिवार के लोग सदमें में आ गए। पांच दिन बाद परिवार के लोग आखिरकार हिम्मत जुटा पाए और डायल-100 पर भोपाल में इसकी जानकारी दी। भोपाल से मिली सूचना पर रांझी पुलिस सक्रिय हुई। टीआई रांझी विजय परस्ते टीम के साथ पीड़िता के घर पहुंचे। पुलिस ने दोनों आरोपियों दीपू उफ्र दीपक और अनिल को गिरफ्तार कर लिया।

मां-पिता गए थे काम करने

बयान में मासूम के माता-पिता ने बताया कि घटना के दौरान बच्ची घर में अकेली थी। वे काम पर गए हुए थे। इसी दौरान दोनों आरोपी बच्ची को घर से उठाकर ले गए और उसके साथ रेप किया। बच्ची को मुलाहिजा के लिए भेजते हुए पुलिस ने प्रकरण जांच में लिया है।

अधारताल में शोहदे से तंग मासूम

सिलाई सीखना किया बंद, आते-जाते कर रहा छेड़खानी, करता है अश्लील हरकतें

जबलपुर, यशभारत। अधारताल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 13 साल की मासूम को आते-जाते शोहदा छेड़खानी कर अश्लील हरकतें कर रहा था। जिससे तंग होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया है। पुलिस सरगर्मी से आरोपी को तलाश करने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने बताया कि उसने पढ़ाई छोड़ दी है और रोजगार तलाशने के लिए वह सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण ले रही है। लेकिन मोहल्ले में रहने वाला समीर खान आए दिन उससे छेड़खानी करता है। पीड़िता ने बताया कि जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी आगबबूला हो गया और धमकी दे रहा है। जिससे कारण पीड़िता ने अब प्रशिक्षण लेना भी बंद कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

सिहोरा में वन प्रहरी को बे-काबू डम्पर ने कुचला, मौत

पैरों के ऊपर से गुजर गया वाहन, हादसा देख लोगों का कलेजा मुंह को आया

जबलपुर, यशभारत। सिहोरा में सुहजनी गांव के मोड़ के पास स्कूटी सवार वन प्रभरी को बे-काबू डम्पर चालक ने टक्कर मार दी। हादसे के दौरान प्रहरी के पैर के ऊपर से वाहन गुजर गया, यह देख लोगों का कलेजा मुंह को आ गया। आनन-फानन में वन प्रभरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां उनकी आज सोमवार को दर्दनाक मौत हो गयी। तो वहीं डम्पर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, आरोपी की सरगर्मी से तलाश में जुटी है। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। तो वहीं पिता का साया सिर से उठने के बाद बेटे के आंसू नहीं रुक रहे है।

जानकारी अनुसार पुलिस को जयशंकर तिवारी 30 वर्ष निवासी लमकना ने बताया कि उसके पिता वन विभाग में प्रहरी के पद पर पदस्थ थे। जो काफ ी दिनों से बीमार चल रहे थे। कल दोपहर लगभग 12.30 बजे उसके पिता राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि मेरे साथ इंद्राना आफिस चलो। तो वह अपने पापा के साथ अपनी स्कूटी से वन कार्यालय अपने पापा को लेकर गया। वहां से पापा काम करके घर आ रहे थे। सुहजनी गांव के मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि तभी पीछे से आर रहे डम्फर के चालक ने पीछे से उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

बेटे ने बताया-नहीं रहे पापा

बेटे ने रुंधे स्वर में बताया कि उसके पापा के दोनों पैरों के ऊपर से डम्फर के पहिये गुजर गये। पापा को गंभीर चोटें आईं थीं। जिसके बाद जख्मी हालत में राजेन्द्र तिवारी को शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डाक्टर ने चैक कर उसके पिता राजेन्द्र तिवारी 57 साल को मृत घोषित कर दिया।

पनागर में पकड़ी 55 लीटर जहरीली शराब

ग्राहक का इंतजार कर रहा था आरोपी, पहुंच गई पुलिस

जबलपुर, यशभारत। पनागर में पुलिस ने शराब माफिया को दबोचकर 55 लीटर जहरीली शराब जब्त की है। पकड़ा गया आरोपी महिनों से यह गोरखधंधा कर रहा था। जिससे पूछताछ जारी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि सूचना मिली कि पंकज प्रजापति निवासी पनागर का भारी मात्रा में कच्ची शराब एक बड़ी जरीकेन में ककरहाई मोड़ नहर के पास रखकर ग्राहक के इंतजार में खड़ा है। जिसके बाद मुस्तैद पुलिस ने टीम गठित कर, घेराबंदी करते हुए पंकज प्रजापति 24 वर्ष निवासी अभिमन्यू चौक गांधी वार्ड पनागर को दबोच लिया। जो जरीकेन में लगभग 55 लीटर कच्ची शराब रखे हुये था।

3 आरोपियों से 5 लाख के जेवर जब्त

रैकी कर बरगी, जमुनिया, हिनोतिया, धनपुरी में टोली बनाकर की थीं चोरियाँ

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर की क्राइम ब्रांच ने बरेला पुलिस के साथ मिलकर तीन शातिर चोरों को दबोच लिया। आरोपियों से बरेला की तीन और बरगी की एक चोरी का खुलासा हुआ। उनके पास से पुलिस ने पांच लाख रुपए के जेवर जब्त किए। पुलिस के मुताबिक संपत्ति संबंधी अपराधियों की चौकिंग करते समय पुरवा तिराहे पर तीन युवक संदिग्ध हालात में बैठे दिखे। पुलिस को देखकर तीनों भागने लगे। इस पर तीनों को घेराबंदी कर दबोचा गया। तीनों की पहचान शातिर चोर इन्द्रकुमार उर्फ पुस्सू उर्फ शिवकुमार बरकडे निवासी तरवानी थाना बीजांडाडी जिला मंडला, राजकुमार झारिया और अज्जू उर्फ अजय यादव दोनों निवासी भटरा मोहल्ला थाना बरेला के रूप में हुई। आरोपियों को थाने ले जाकर पूछताछ की गई तो उन्होंने बरेला के जमुनिया तिराहा, हिनोतिया भोई, धनपुरी में और बरगी क्षेत्र में एक चोरी करना स्वीकार किया।

दिन में घूम-घूमकर करते थे रैकी

तीनों शातिर चोर दिन में घूम कर सूने घरों की रेकी करते थे। ताला लगे घरों को चिन्हित कर रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों की निशादेही पर चोरी के 5 तोला सोने के और चांदी के लगभग दो किलो के जेवर, लैपटाप, एलईडी, गैस टंकी, पानी की मोटर, बैटरी आदि जब्त किए गए। आरोपियों में राजकुमार झारिया और इंद्रकुमार को एक दिन की

तीनों के खिलाफ अनेक संगीन मामले हैं दर्ज

रिमांड पर लिया गया है। वहीं अज्जू उर्फ अजय यादव को जेल भेज दिया गया।

चोरी, लूट व रेप के मामले दर्ज

बरेला थाना प्रभारी जितेंद्र यादव के मुताबिक आरोपियों में राजकुमार झारिया के खिलाफ बरेला में तीन प्रकरण लूट, मारपीट-धमकी देने और अपहरण रेप के पूर्व से दर्ज हैं। वहीं इंद्र कुमार के खिलाफ तिलवारा में चोरी का प्रकरण दर्ज हैं। दोनों शातिर बदमाश हैं।

कटंगी में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

2 महिलाओं समेत तीन घायल

जबलपुर, यशभारत। थाना कटंगी में पड़ोस में गड्ढा खोदन को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। जिसमें जमकर लोहे की रॉड, डंडे चले। इस घटना में दो महिलाओं समेत तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। वहीं, सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर, विवेचना में लिया है।

जानकारी अनुसार गुलाब सिंह लोधी 45 वर्ष निवासी बरबटा ने पुलिस को बताया कि उसके पड़ोसी बलोच सिंह एवं जगत सिंह रास्ते में पिलर बनाने के लिये गड्ढा खोद रहे थे। उसने गड्ढा खोदने से मना किया तो दोनों ने गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये डण्डे से हमला कर सिर व हाथ में चोटे पहुंचा दी। वहीं, श्रीमति बीना बाई लोधी 61 वर्ष निवासी बरबटा ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि अपने घर के पास से निकलने के लिये अपनी दीवाल खोद रही थी तभी पड़ोसी गुलाब, वीरेन्द्र, कृष्णा लोधी आकर गालीगलोज करने लगे, गालीगलौज करने से मना किया तो तीनों रॉड एवं लोहे की किसी चीज से हमला कर उसके एवं बीच बचाव करने आयी उसकी बहु गंगा बाई को भी घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्वारीघाट में सोता रह गया परिवार, लाखों की हो गई चोरी

जबलपुर, यशभारत। ग्वारीघाट के भीमनगर में छत के खुले दरबाजों से दाखिल हुए चोरों ने दरमियानी रात अलमारी का लॉक तोड़कर लाखों के जेवरात समेत नगदी साफ कर, रफूचक्कर हो गए। घटना के दौरान परिवार गहरी नींद में सो रहा था। पुलिस ने शिकायत पर, चोरी का मामला दर्ज कर, आरोपियों की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार नितिन गुप्ता 32 वर्ष निवासी भीमनगर ने पुलिस को बताया कि वह किराना का व्यवसाय करता है। जब वह अपने परिवार के साथ बाजार करने गया था, खरीदारी करने के बाद पैसे देते समय उसे पता चला कि उसके जेब में रखे 12 हजार रूपयों में से 5 हजार रूपये कम हैं, जब वह बाजार से वापस आया तो परिजनों ने बताया कि उनके बैग में से लगभग 5 हजार रूपये गायब हैं, उसकी पत्नि ने चैक किया तो अलमारी के लॉकर में रखे सोने के कंगन , हार सहित नगदी 10 हजार रूपये गायब थे। उसके घर की छत का दरवाजा खुला रहता है।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य जमुना मरावी द्वारा नामांकन पत्र लिया गया

नामांकन पत्र केन्द्र

पंचायत चुनाव प्रकिया का आज से आगाज

नाम निर्देशन प्रक्रिया शुरू, जिले भर में बनाये गए 71 केन्द्र

जबलपुर,यशभारत। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर नाम निदेज्शन पत्र भरने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गयी है। नामंकन की प्रक्रिया 20 दिसंबर तक चलेगीए इसके बाद 23 दिसंबर तक नाम वापसी हो सकेगीए साथ ही इसी दिन चुनाव चिन्हों का आवंटन भी होगा। पंचए सरपंच जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए 3 चरणों में चुनाव होने हैं। आज से शुरू होने वाली नामांकन की प्रक्रिया में पहले और दूसरे चरण के लिए नामांकन होंगे। पहला चरण 6 जनवरी 2022 को होगा और दूसरा चरण 28 जनवरी और तीसरे चरण के पंचायत चुनाव 16 फ्रवरी को होंगे। इसके लिये प्रशासन द्वारा पूरे जिले में 71 केन्द्र बनाए गये है जहां उम्मीदवार फॉमज प्राप्त कर जमा करेंगें। जिला पंचायत स्तर पर यह फॉमज कलेक्टर कायाज्लय में जमा किये जा रहे है, वही जनपद स्तर के साथ ही क्लस्टर लेवल पर भी नाम निदेज्शन की प्रक्रिया की जा रही है। इसके लिये एआरओ को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही नामांकन फॉमज लेने उम्मीदवारों का आना भी जारी हो गया। चुनाव सम्पन्न कराने के लिये सभी विभागों के अधिकारियों की सेवा ली जायेगी। कलेक्टर कमज्वीर शमाज के अनुसार यह प्रक्रिया राज्य निवाज्चन आयोग द्वारा तय किये गये नियमों के अनुसार ही नाम निदेज्शन पत्र भरने आने वालों से अपील की है कलेक्टर श्री शमाज ने कहा है कि उम्मीदवार व्यवस्था के अनुरूप प्रशासन का सहयोग करें ताकि सुरक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से हो। वही दूसरी तरफ फॉमज जमा करने आने वालों को त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का सामना करना पडेगा। इसके साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल के साथ ही वन विभाग के कमज्चारियों की सेवाएं भी ली जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर 13 दिसंबर यानि आज सुप्रीम कोटज में सुनवाई होनी है। इस बीच निवाज्चन आयोग ने पहले और दूसरे चरण के चुनाव आयोजित कराने की तैयारियां शुरू कर दी है और इसी कड़ी में प्रथम और द्वितीय चरण के पंचायत चुनाव के लिये 13 दिसंबर से नामांकन.पत्र भरे जाने के निदेज्श जारी हो गए हैं। इसी के साथ प्रदेश में अब तक जो जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थीए उसे अब 14 दिसंबर को पूरा करेंगेण् पंचायत राज संचालनालय की तरफ से इसके आदेश जारी कर दिए हैंए जिसमें बताया है कि अनुसूचित जातिए जनजातिए अन्य पिछड़ा वगज और सभी वगोज में महिलाओं के लिए आरक्षण लॉटरी से होगा।

घमापुर में बाथरुम से फिसला युवक : मौत

जबलपुर, यशभारत। घमापुर के छोटी संतोषी माता मंदिर निवासी एक युवक अपने घर की बाथरुम से स्लिप हो गया। जिसकी मेडिकल में उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार नीलेश कनौजिया 45 साल रविवार की देर रात अपने बाथरुम जा रहा था। जहां उसका पैर फिसल गया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आ गयी। परिजनों ने जब गिरने की आवाज सुनी तो देखा कि युवक अचेत पड़ा था। जिसे तत्काल मेडिकल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूपी का गांजा जबलपुर में खप रहा था

कार सवार तस्करों से 4.50 किलो गांजा जब्त

जबलपुर, यशभारत। गांजा तस्कर उत्तर प्रदेश से नशे की तस्करी कर जबलपुर में धड़ल्ले से सप्लाई कर रहे है। जिसका एक मामला बरेला में सामने आया, जहां पुलिस ने कार्रवाई कर कार से करीब 70 हजार का गांजा जब्त किया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। बरेला पुलिस के अनुसार एचपी गैस एजेन्सी के पास, कार सीजी 04-डीसी 7545 को रोका। कार में दो लोग सवार थे। कार रुकते ही चालक एक हजार रुपए देने लगा। संदेह होने पर कार रुकवा कर चैकिंग की गई तो डिक्की में सीमेंट की बोरी में गांजा मिला। तौल करने पर वह 4.50 किलो निकला। दोनों की पहचान शेख सियाजुल (25) निवासी कृष्णा नगर सिपुला भिलई और वहीं के अनिल भारती (44) के रूप में हुई। गांजा सहित कार जब्त करते हुए मामले में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)